www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 217 || लखनऊ
रविवार
08 नवंबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2

दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:21
सूर्यास्तः 05:19
अधिकतमः 30°00
न्यूनतमः 17°00

पेज 07

विशेष समाचार
जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा का ... >>पेज 04
दिवाली पर शाम 7 बजे तक ही ... >>पेज 06
20 साल पहले सलमान ...

लेजर शो से रामायण दिखाई गई, उपराष्ट्रपति-सीएम योगी समेत कई मंत्री मौजूद

30 लाख दीयों से जगमगाई अयोध्या

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में आज 10वां दीपोत्सव मनाया जा रहा है। यहां सरयू नदी के किनारे 56 घाटों पर 30 लाख दीये जलाए गए। राम की पैड़ी और सरयू घाट पर लेजर शो से रामायण दिखाई गई। इसके पहले अयोध्या में करीब 3 घंटे तक शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें 21 झांकियां शामिल थीं। इनमें रामायण के सात कांडों को दर्शाया गया था। दीपोत्सव देखने के लिए मुंबई, गुजरात और बिहार सहित देशभर से लोग पहुंचे हैं। दीपोत्सव पर रामलला का दरबार सजाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंदिर में दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर मणिरामदास जी की छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास शास्त्री, राम मंदिर

धार्मिक समिति के सदस्य एवं श्रीराम वल्लभा कुंज के प्रमुख स्वामी राजकुमार दास, राम की पैड़ी दीयों से जगमग हो गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

अयोध्या में लेजर शो से जगमगाए राम की पैड़ी और सरयू घाट

दीपोत्सव के दौरान राम की पैड़ी और सरयू घाट पर भव्य लेजर लाइट शो का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगी रोशनी से घाटों को सजाया गया। सरयू नदी के किनारे स्थित 56 घाटों को 30 लाख से अधिक मिट्टी के दीपकों से रोशन किया जाएगा। इसके लिए घाटों पर दीप सजाने की तैयारियां की गई हैं। दिवाली की पूर्व संध्या पर अयोध्या में 10वां दीपोत्सव मनाया जा रहा है। राम की पैड़ी और सरयू तट पर भव्य आयोजन हो रहा है।

पीएम मोदी ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं

कहा- इस बार भी जवानों के साथ त्योहार मनाऊंगा, पिछले साल आईएनएस विक्रांत पर गए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के अवसर पर इंस्टाग्राम पर एक रील साझा कर देशवासियों को त्योहार की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस साल भी वह अपनी परंपरा के अनुसार दिवाली सेना के जवानों के साथ मनाएंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री इस बार किस स्थान पर जाकर जवानों के बीच दीपावली मनाएंगे, इसकी जानकारी उन्होंने साझा नहीं की है। प्रधानमंत्री की ओर से जवानों के साथ त्योहार मनाने की घोषणा के बाद अब उनके कार्यक्रम स्थल को लेकर उत्सुकता है। पिछले कई वर्षों से नरेंद्र मोदी दीपावली के अवसर पर देश की सीमाओं या सैन्य प्रतिष्ठानों पर तैनात जवानों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार मनाते रहे हैं। पिछले साल यानी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में

भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोत INS विक्रांत पर नौसैनिकों के साथ दीपावली मनाई थी। इस दौरान उन्होंने नौसेना के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात की थी और उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा की थीं। INS विक्रांत पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने करीब 40 मिनट तक संबोधन भी दिया था। उन्होंने नौसैनिकों के साहस, समर्पण और देश की समुद्री सुरक्षा में उनकी भूमिका की सराहना की थी। इस बार भी जवानों के बीच दीपावली मनाने की घोषणा से उनके कार्यक्रम को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

पीएम बोले- आपका समय समृद्धि से भरा रहे नमस्ते, दीपावली का पावन पर्व, पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, आपका ये पर्व आपका आगे का समय सब कुछ सुख-शांति और समृद्धि से भरा रहे।मैं भी आपकी तरह बड़े उत्साह से दीपावली मनाता हूं। और हर साल आप जानते हैं देश के वीर जवानों के बीच जाना मेरा नित्यक्रम है। इस बार भी जारी रहेगा। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

>> (शेष पेज 06 पर)

लेकिन माफी मांगकर जाएं, अखिलेश ने 12 दिसंबर को रामलला के दर्शन का ऐलान किया है

रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले अयोध्या जरूर आएं : सीएम

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या/लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने के ऐलान के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश के इस दौरे को लेकर उन पर निशाना साधा है। सीएम योगी ने कहा कि रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले अयोध्या जरूर आएं, लेकिन यहां आने पर एक बार माफी मांगकर जाएं। प्रभु श्रीराम उन्हें माफ कर देंगे। अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे को लेकर भाजपा के कई नेताओं ने भी बयान दिए हैं। किसी ने इसे देर से उठाया गया कदम बताया तो किसी ने सनातन संस्कृति और कारसेवकों पर गोली चलने की घटना को लेकर सपा प्रमुख से सवाल किए। दरअसल, सपा नेता और पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने शनिवार को संवाददाता से बातचीत में बताया था कि अखिलेश यादव 12 दिसंबर को अपने परिवार के साथ अयोध्या पहुंचेंगे। उनके साथ पत्नी डिंपल यादव और बच्चे भी होंगे। पूरा परिवार हनुमानगढ़ी में दर्शन करेगा और साधु-संतों से मुलाकात भी करेगा। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होने के बाद यह पहला मौका होगा, जब अखिलेश यादव मंदिर में दर्शन करने पहुंचेंगे। अब तक भाजपा लगातार राम मंदिर और अयोध्या के मुद्दे पर सपा प्रमुख को घेरती रही है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी अखिलेश यादव के अयोध्या जाने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि देर से आए, लेकिन दुरुस्त आए। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें, यही कहूंगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अखिलेश यादव को सनातन संस्कृति को अपनाना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अखिलेश यादव के रामलला के दर्शन करने के फैसले को अच्छी बात बताया, लेकिन साथ ही उन पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव रामलला के दर्शन करने जा रहे हैं, यह अच्छी बात है। उन्हें दर्शन जरूर करना चाहिए, लेकिन लगातार सनातन धर्म का अपमान करने से बचना चाहिए। पंकज चौधरी ने कहा कि अखिलेश यादव अवसर देखकर दर्शन करने जाते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के इस बयान से साफ है कि पार्टी अयोध्या दौरे को लेकर सपा प्रमुख के पुराने बयानों और राजनीतिक रुख को मुद्दा बना रही है।

22 जनवरी 2024 के बाद पहली बार राम मंदिर जाएंगे अखिलेश

अखिलेश यादव का 12 दिसंबर को अयोध्या दौरा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला अवसर होगा, जब वह मंदिर में दर्शन करने पहुंचेंगे। सपा नेता पवन पांडेय के मुताबिक, अखिलेश यादव के साथ उनकी पत्नी डिंपल यादव और बच्चे भी अयोध्या जाएंगे।

परिवार पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन करेगा और इसके बाद साधु-संतों से मुलाकात करेगा। इस दौरे को लेकर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाओं के बाद प्रदेश की राजनीति में राम मंदिर, कारसेवकों पर गोलीबारी और सनातन संस्कृति से जुड़े मुद्दे एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं।

योगी बोले- रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले माफी मांगकर आएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले भी अयोध्या जरूर आएं, लेकिन यहां आने से पहले उन्हें एक बार माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वे माफी मांगकर आएंगे तो प्रभु श्रीराम उन्हें माफ कर देंगे। योगी ने भगवान राम के आदर्शों और सामाजिक समरसता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विजय उस विचार की है, जिसमें भगवान श्रीराम ने समाज के हर वर्ग को अपनाया। उत्तर से दक्षिण तक वनवासी, गिरवासी, वानर, भालू, निषादराज और माता शबरी सभी उनके अपने थे। भगवान राम ने किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। मुख्यमंत्री के इस बयान को अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे और 1990 में कारसेवकों पर हुई गोलीबारी के संदर्भ में देखा जा रहा है।

राजभर बोले- मथुरा और काशी जाने की तारीख भी बताएं

मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में चक्र लेकर अयोध्या गए थे, लेकिन भगवान राम का आशीर्वाद नहीं लिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश वाराणसी भी गए, लेकिन भगवान शिव की पूजा नहीं की। राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि अब उनके दौरों का कोई मतलब नहीं है। अगर अखिलेश यादव ने अयोध्या जाने की तारीख घोषित की है तो उन्हें मथुरा और काशी जाने की तारीख भी घोषित करनी चाहिए। उनके इस बयान को सपा प्रमुख के धार्मिक स्थलों के दौरों को लेकर भाजपा और सहयोगी दलों की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

फास्ट न्यूज

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के 2 मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर से आतंकियों की मदद करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई आतंकी मॉड्यूल की जांच का हिस्सा है। आरोप है कि इस मॉड्यूल के जरिए महिलाओं को निशाना बनाकर अलगाववादी विचारधारा और प्रचार को बढ़ावा दिया जा रहा था।

एसआईआर में छूटे मतदाताओं को एक और मौका

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (EC) ने SIR प्रक्रिया के दौरान छूटे मतदाताओं को नाम जुड़वाने एक और मौका देने का फैसला किया। यह मौका उन मतदाताओं को मिलेगा, जिन्हें एब्सेंट, शिफ्टेड, डेड और डुप्लिकेट (ASDD) के तौर पर रखा गया था। इन मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म जारी हुए थे, लेकिन वापस नहीं मिले। इसके चलते स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान उनका नाम ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स में शामिल नहीं हो सका।

अवकाश की सूचना

08 नवंबर, 2026 प्रकाश पर्व दीपावली के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापन दाता व समाचार पत्र वितरक बंधुओं और प्रदेशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं।

08 नवंबर, 2026 और 09 नवंबर, 2026 को तमसा संकेत कार्यालय बंद रहेगा।
अतः अगला अंक 11 नवंबर, 2026 बुधवार को प्रकाशित होगा।
-संपादक

सीजेपी के मार्च में 'लेके रहेंगे आजादी' के नारे लगे

कोच्चि में दीपके बोले- पूरे देश में तिरंगा लेकर जाऊंगा

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शनिवार को कोच्चि में वोटर लिस्ट में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के खिलाफ प्रदर्शन किया। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके और अभिनेता प्रकाश राज प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन मार्च मरीन ड्राइव से शुरू होकर राजेंद्र मैदान पहुंचा। जहां जनसभा में पहुंचे अभिजीत दीपके ने कहा कि गिरफ्तारी के बावजूद वे पूरे देश में तिरंगा लेकर जाना जारी रखेंगे। दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर आरोप लगाया कि वे लोगों की खान-पान की आदतों, निजी रिश्तों और

वोट देने के अधिकारों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, एक्टर प्रकाश राज ने प्रदर्शनकारियों के साथ 'हम लेके रहेंगे आजादी' के नारे लगाए। मैं नरेंद्र मोदी को बताना चाहता हूं कि मैं इस तिरंगे को हर जगह, इस देश के हर हिस्से में लेकर जाऊंगा। अगर आप मुझे गिरफ्तार करना चाहते हैं, तो आप मुझे दिल्ली, महाराष्ट्र, केरलम या तमिलनाडु में गिरफ्तार कर सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

लैंडिंग : दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस, लद्दाख की यह जगह चीन सीमा से 23 किमी दूर

वायुसेना का गजराज 13 हजार फीट की ऊंचाई पर उतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान IL-76MD की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई। यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है। IAF के मुताबिक, इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है। नवंबर 2025 में न्योमा को अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था। तब तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने C-130J से उतरकर इसका उद्घाटन किया था। IAF के मुताबिक यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है।

मतलब साफ है - अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है। हालांकि, न्योमा पर पहले भी लैंडिंग हुई है। 20 अगस्त 2013 को C-130J ने वहां 16,614 फीट पर लैंड किया था, वो उस विमान का रिकॉर्ड था। अब IL-76MD (गजराज) का रिकॉर्ड बना है। दोनों अलग-अलग विमान हैं। वायुसेना में इसे 'गजराज' कहते हैं। यह रूस में बना 4 इंजन वाला हैवी ट्रांसपोर्ट विमान है। करीब 40-50 टन तक माल उठा सकता है। यह सैनिक, टैंक, गाड़ियां, हथियार, राशन - सब कुछ ले जा सकता है। न्योमा एयरबेस 13,710 फीट की ऊंचाई पर है और यह दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस में से एक है। यह चीन सीमा LAC से करीब 23 किलोमीटर दूर है और इसमें 2.7 किलोमीटर लंबा रनवे है। यह एयरबेस 1962 में शुरू हुआ था, लेकिन भारत-चीन युद्ध के बाद बंद कर दिया गया था। 2023 में इसे फिर से आधुनिक एयरबेस बनाने का काम शुरू हुआ और 12 नवंबर 2025 को इसे दोबारा खोला गया है। न्योमा एयरबेस पर पहले मिट्टी का रनवे था, जहां बारिश के दौरान कीचड़ हो जाता था।

>> (शेष पेज 06 पर)

आईएल 76एमडी की न्योमा की लैंडिंग बड़ी उपलब्धि क्यों...

1. कम ऑक्सीजन और हवा का कम घनत्वः 13,629 फीट पर हवा पतली होती है। इससे विमान के इंजनों और पंखों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। टेकऑफ और लैंडिंग दोनों चुनौतीपूर्ण होते हैं।

2. भारी विमान को उतारने की चुनौतीः IL-76MD करीब 40 टन तक सामान ले जा सकता है। इतने बड़े विमान को ऊंचाई वाले एयरफील्ड पर सुरक्षित उतारने के लिए खास कैलकुलेशन, कंट्रोल और पायलटों के अनुभव की जरूरत होती है।

3. सैन्य रणनीतिक महत्वः न्योमा लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के करीब है। यहां भारी मालवाहक विमान उतरने से सैनिकों, सैन्य उपकरणों और जरूरी रसद की आवाजाही में मदद मिल सकती है।

ई20 बना 420, पब्लिक की कार से पेट्रोल चोरी : राहुल

20% की जगह 31.2% एथेनॉल मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा एथेनॉल मिलने के आरोप पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने X पर लिखा- 'E20 अब 420 बन गया है, जनता की गाड़ी से पेट्रोल चोरी हो रहा है।' राहुल के मुताबिक, कर्नाटक सरकार ने 7 जिलों से पेट्रोल के 14 सैंपल लेकर मान्यता प्राप्त लैब में जांच कराई। इनमें 11 सैंपल में एथेनॉल की मात्रा 20% से ज्यादा मिली। इंडियन ऑयल के एक सैंपल में यह 31.2% और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सैंपल में 30.5% थी। हालांकि, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने जांच के नतीजों पर सवाल उठाए हैं। कंपनियों का कहना है कि सैंपल की

जांच तय कानूनी और तकनीकी मानकों के मुताबिक नहीं हुई। लैब जांच में सामने आया कि सभी बड़ी तेल कंपनियों के पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 20% की लिमिट से काफी ज्यादा थी। बेंगलुरु अर्बन सहित 7 जिलों के सैंपलों में IOCL के पेट्रोल में सबसे ज्यादा 31.2% तक एथेनॉल मिला। इसके अन्य सैंपल में 20.8% एथेनॉल पाया गया। वहीं, HPCL के पावर पेट्रोल में 30.5% और नॉर्मल पेट्रोल में 27% एथेनॉल पाया गया।

10 देशों के ड्राईफ्रूट से बनी गोल्ड प्लेटेड, पटाखेवाली, टर्की बकलावा, अंजीर की डिमांड

60-हजार रुपए किलो बिक रही लखनऊ में सोने की मिठाई

खरीदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में इस दिवाली फिर से 60 हजार रुपए किलो वाली मिठाई की जबरदस्त बिक्री हो रही है। यह सोने की मिठाई 10 देशों के ड्राई फ्रूट से बनी है। सामान्य व्यक्तियों के अलावा यह बीमारों के लिए भी फायदेमंद है।

गोल्ड प्लेटेड मिठाई के साथ इस बार पटाखेवाली मिठाई भी मार्केट में आई है। अंजीर, खजूर और मैंगो की मिठाई मिल रही है। छेना, खोया, मोतीचूर के लड्डू, टर्की बकलावा, मिल्क केक, सॉन पापड़ी, वाइट चॉकलेट और खजूर की मिठाई भी

पूरे शहर में 3000 से अधिक छोटी बड़ी मिठाई की दुकानें सजी हैं। व्यापारियों ने बताया कि मिठाई में बड़े-बड़े कॉर्पोरेट ऑर्डर मिल रहे हैं। दीवाली के अंतिम दिन तक लोग मिठाई खरीदने हैं और गिफ्ट के रूप में पैक करवाते हैं। इस के अनुसार 400 करोड़ से अधिक मिठाई के कारोबार होने की उम्मीद है।

खूब बिक रही है। मिठाइयों में जायके के साथ स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मिठाई पर मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपायरी डेट दर्ज की जा रही है। सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाली सुपर-लग्जरी गोल्ड प्लेटेड मिठाई है। दुकानदार क्षितिज ने बताया कि हमारी दुकान की सबसे यूनीक मिठाई सोने की परत वाली एग्जॉटिका है जिसकी कीमत 60 हजार रुपए किलो है। सबसे महंगी मिठाई बनाने की शुरुआत साल 2009 में हुई थी, तब उसकी कीमत 25 हजार प्रति किलो थी। इसकी खासियत ये है कि दुनिया के अलग-अलग कोनों की चीज इस्तेमाल हुई है। USA की ब्लूबेरी, ईरान का पिस्ता, अफगानिस्तान का

20 रुपए से 3 हजार तक हैंपर्स की कीमत

प्रसिद्ध छप्पन भोग ने इस बार दिवाली गिफ्टिंग के लिए बेहद क्रिएटिव अंदाज अपनाया है। यहां मिठाइयों और ड्राई फ्रूट्स को पारंपरिक डिब्बों के बजाय लाल रंग के सिलेंडरनुमा पटाखे, हरे सुतली बम, अनार और चकरी के आकार वाले खास कंटेनरों में पैक किया जा रहा है।

इतना ही नहीं, पेपर हॉट एयर बैलून की थीम पर सजे आकर्षक गिफ्ट हैंपर्स भी ग्राहकों को खूब लुभा रहे हैं। इस अनोखी और प्रीमियम पैकिंग वाले हैंपर्स की कीमत 20 रुपए से शुरू होकर 3,000 रुपए तक रखी गई है।

बादाम, साउथ अफ्रीका का मैकाडामिया नट्स, ब्राजील नट्स, किन्नौर का चिलगोजा, कश्मीर का केसर और सोने की परत इसे खास बताती है। इस खास मिठाई को हम लोग संदूक में सजा कर रखते हैं। मिठाई के एक बाइट में आदमी पूरे विश्व के जायके को चख लेता है।

शर्मा स्वीट्स हाउस के मालिक दिनेश शर्मा ने बताया कि मिठाइयों में 50 से अधिक वैरायटी है। मगर इस बार इंजीर की कटलेट, खजूर लड्डू और मैंगो बाइट विशेष रूप से तैयार किया गया है। अंजीर और खजूर को की मिठाई डायबिटीज और बीपी जैसे मरीजों के स्वास्थ्य को ध्यान में

इस बार दीवाली के लिए तरह-तरह के गिफ्ट पैक किए गए हैं।

रखकर तैयार किया गया है। प्रीमियम मिठाइयां हैं, जिसमें भुने हुए ड्राई फ्रूट डालते हैं, जो जायके को और बढ़ावा देता है। उन्होंने बताया कि मैंगो बाइट 1000 रुपए प्रति किलो है। काजू कतली की शुरुआत 1400 से लेकर 5000 रुपए प्रति किलो है। गिफ्ट पैकिंग में 1500 से लेकर 5000 तक की मिठाइयां लोग खरीद रहे हैं।

लखनऊ में धनतेरस पर 2800 करोड़ का व्यापार

ज्वेलरी-ऑटो सेक्टर सबसे ज्यादा चमके

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में धनतेरस पर बाजार गुलजार रहे। आभूषण, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर ऑटोमोबाइल शोरूम तक हर तरफ ग्राहकों की भीड़ नजर आई। राजधानी में धनतेरस के मौके पर करीब 2800 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। व्यापारियों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में 15 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

धनतेरस को लेकर बाजारों में पहले से ही तैयारियां शुरू हो गई थीं। कई ग्राहकों ने गुरुवार को ही सामान पसंद कर एडवांस बुकिंग करा दी थी, ताकि त्योहार के दिन बिना इंतजार किए डिलीवरी मिल सके। शुक्रवार को दुकानों और शोरूम में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। ग्राहकों के उत्साह से दुकानदार भी खासे उत्साहित दिखाई दिए। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि व्यापारियों से मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी में करीब 80 करोड़ रुपये के दोपहिया वाहन और 400 करोड़ रुपये के चारपहिया वाहन बिके। ज्वेलरी सेक्टर में करीब 350 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इस बार इलेक्ट्रिक वाहनों की भी अच्छी मांग रही। सराफा बाजार में हल्के वजन के गहने ग्राहकों की पहली पसंद बने रहे। वहीं बर्तन की दुकानों पर भी सुबह से देर शाम तक खरीदारों की भीड़ लगी रही।

फास्ट न्यूज

टक्कर मारने का बहाना बनाकर युवक का मोबाइल चुराया

लखनऊ । लखनऊ के नहरिया चौराहे पर सड़क पार कर रहे युवक को टक्कर मारने का बहाना बनाकर दो शातिरों ने मोबाइल चोरी कर लिया। आरोपियों ने पहले युवक से विवाद किया और फिर ध्यान भटकाकर उसकी लोअर की जेब से मोबाइल निकाल लिया। वारदात के बाद दोनों स्प्लेंडर बाइक से फरार हो गए। पूरी घटना करीब 30 सेकंड में हुई।

बाइक की ईएमआई भरने के लिए अपार्टमेंट में की चोरी

लखनऊ। लखनऊ में फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 28 अक्टूबर को अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट से लैपटॉप, मोबाइल, घड़ी और बच्चों की दो गुल्लकों में रखे रुपए चोरी किए थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक घड़ी, मोबाइल फोन और 5,230 रुपए बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों में अयोध्या के रितिक तिवारी उर्फ हैपी पर सात और बृजेश तिवारी पर दो मुकदमे दर्ज हैं। घटना गोमतीनगर विस्तार के अलकनंदा अपार्टमेंट की है।

यूनिटी कॉलेज में 'जश्न-ए-सुखन' कार्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ में यूनिटी कॉलेज में 7 नवंबर को 'जश्न-ए-सुखन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र ग्रंथों के पाठ और प्रधानाचार्य दीपक मेरविन मैथ्यूज के स्वागत भाषण से हुई। मुख्य अतिथि डॉ. शबनम रिज़वी रहीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में प्राइमरी के बच्चों ने नज़्म पेश की, जबकि सेकेंडरी के विद्यार्थियों ने नाटक प्रस्तुत किया।

कर्मचारी को छोड़ने के लिए 5 लाख की फिरौती मांगी

लखनऊ में पीड़ित मां के पास व्हाट्सएप कॉल आई 7 दिन से लापता है

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ के बंथरा में रमाडा होटल से लापता हुए पशुपालन विभाग के कर्मचारी ऋषभ त्रिपाठी को छोड़ने के लिए फिरौती मांगी गई है। 7 दिन से उनका कोई सुराग नहीं अब तक नहीं मिला पाया है। वह स्टॉल लगाने के लिए होटल गए थे, इसके बाद वहीं से लापता हो गए थे।

पीड़ित मां ने पुलिस से बेटे को खोजने की गुहार लगाई है। शुक्रवार को ऋषभ की मां को एक व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी। इसके बादल ने बेटे को छोड़ने की बात कहीं। पीड़ित मां ने तत्काल पुलिस को कॉल के बारे में सूचना दी।

ऋषभ के साथी और पशुपालन विभाग के निदेशालय में वरिष्ठ सहायक अतुल प्रकाश ने 31 अक्टूबर को बंथरा थाने में उसकी

गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सोनिया के मुताबिक, छह नवंबर को उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने पांच लाख रुपये देने पर ऋषभ को बताई गई जगह पर छोड़ने की बात कही। इसके बाद सोनिया ने बंथरा पुलिस को सूचना दी और संदिग्ध लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर मोबाइल नंबर के आधार पर सर्विलांस सेल की मदद से पता लगाना शुरू किया है।

पशुपालन विभाग में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ऋषभ

आशियाना के सेक्टर एन निवासी सोनिया त्रिपाठी के मुताबिक, उनका 28 वर्षीय बेटा ऋषभ पशुपालन विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। वह 30 अक्टूबर को अपने कार्यालय के कर्मचारियों के साथ रमाडा होटल में स्टॉल लगाने गया था।

सोनिया ने बताया कि शाम करीब छह बजे उनकी ऋषभ से फोन पर बात हुई थी। रात 11 बजे फोन किया तो उसका मोबाइल बंद मिला। अगले दिन सहकर्मियों से जानकारी मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई।

ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं, शौचालय के पास बैठकर सफर कर रहे यात्री

दीपावली पर घर लौटने वालों की चारबाग स्टेशन पर भीड़

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में दिवाली से पहले घर जाने के लिए शनिवार शाम चारबाग स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ उमड़ी पड़ी। हालात ऐसे हैं कि लोगों के पैर रखने की जगह नहीं है। ट्रेनों में बैठने के लिए सीट तक नहीं मिल रही है। ट्रेन रुकते ही बोगियों में चढ़ने के लिए गेट पर भीड़ लग जा रही है। यात्रियों में धक्का-मुक्की हो रही है।

शाम को चारबाग रेलवे स्टेशन पर ज्यादातर ट्रेनों में यात्रियों को बैठने के लिए सीट तक नहीं मिल रही है। कई यात्री शौचालय के पास और कोच के गलियारों में बैठकर सफर करने को मजबूर हैं। प्लेटफॉर्म से लेकर स्टेशन परिसर तक यात्रियों की आवाजाही बढ़ गई है।

लखनऊ से बनारस जाने वाली

ट्रेन में यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। ट्रेन के जनरल और अन्य कोचों में यात्रियों की संख्या काफी अधिक रही। स्थिति यह रही कि ज्यादातर यात्रियों को सीट नहीं मिल सकी। ऐसे में लोग शौचालय के बगल में खाली जगह पर बैठकर सफर करते नजर आए। कई यात्री कोच के गलियारों में भी जगह बनाकर बैठे हुए थे। त्योहार पर घर पहुंचने की मजबूरी के चलते लोग असुविधाओं के बीच भी यात्रा करने को मजबूर हैं।

यात्रियों की भीड़ का असर स्टेशन के मुख्य परिसर में भी दिखाई दिया। प्रवेश और निकास द्वार के आसपास लोगों की आवाजाही बढ़ी रही। ऑटो, ई-रिक्शा और निजी वाहनों से स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों के कारण परिसर में भी हलचल बनी रही।

ट्रेन के गेट पर यात्री बैठकर यात्रा कर रहे हैं। वहीं छोटे बच्चे गलियारे में बैठे है।

चारबाग स्टेशन पर बढ़ी यात्रियों की आवाजाही

दीपावली का त्योहार मनाने के लिए बड़ी संख्या में लोग दूसरे शहरों और अपने गृह जनपदों की ओर जा रहे हैं। इसके चलते चारबाग रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही यात्रियों की भीड़ जुटने लगी। कोई परिवार के साथ सामान लेकर ट्रेन का इंतजार करता नजर आया तो कोई प्लेटफॉर्म पर अपनी ट्रेन की जानकारी लेता रहा। ट्रेनों के आने और रवाना होने के दौरान प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की आवाजाही और बढ़ गई।

लिखा- 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे, सामान्य वर्ग को साधने की कोशिश

लखनऊ में होर्डिंग : 'सवर्ण चाह दिखाएगा पीडीए सीएम बनाएगा'

संदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में होर्डिंग के जरिए सियासी संदेश देने का सिलसिला लगातार तेज हो रहा है। शनिवार को छोटी दीपावली के मौके पर समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर एक नया होर्डिंग लगाया गया। इसके जरिए सपा ने सवर्णों को साधने की कोशिश की गई। इसमें 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का दावा किया गया है। साथ ही लोक भवन की तस्वीर लगाकर उसकी दूरी शून्य किलोमीटर (0 KM) दिखाई गई है। होर्डिंग पर स्लोगन लिखा है- 'सवर्ण चाह दिखाएगा, पीडीए CM बनाएगा, अखिलेश भैया को 2027 में अवश्य मुख्यमंत्री बनाएगा।' होर्डिंग पर सवर्णों को PDA के साथ जोड़ने का संदेश दिया गया है। इसे सपा नेता डॉ. राहुल शुक्ला ने लगवाया है।

सपा मुख्यालय के बाहर लगा नया होर्डिंग।

इससे पहले 29 अक्टूबर को अमेठी के रहने वाले सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव ने एमएलसी जीत की खुशी में होर्डिंग्स लगवाई थी। उसमें

सबको साथ लेकर चलने का नाम है पीडीए

होर्डिंग लगवाने वाले डॉ. राहुल शुक्ला ने कहा कि अखिलेश यादव सबको साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। वह बुजुर्गों का सम्मान करते हैं और युवाओं के साथ ही आने वाली पीढ़ी के भविष्य की भी चिंता करते हैं। PDA का मतलब ही सबको साथ लेकर चलना है।

इसी सोच के साथ समाजवादी पार्टी के परचम तले हर वर्ग और समुदाय को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2027 में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने पर प्रदेश के विकास की नई तस्वीर सामने आएगी।

'PDA का संदेश, 2027 में आ रहे हैं अखिलेश' लिखकर आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी संदेश दिया था।

ट्रैक्टर के नीचे दबकर युवक की मौत दो भतीजों को भी चोटें आईं

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार सुबह खेत से पयार लादकर घर लौट रहे युवक की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से मौत हो गई। हादसे के दौरान युवक ट्रैक्टर के स्टेयरिंग और सीट के बीछ फंसकर नीचे दब गया। उसके साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार दो भतीजों को हल्की चोटें आईं। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान भगवंत खेड़ा निवासी अभिषेक यादव (25) के रूप में हुई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना शनिवार शाम चार बजे शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना माल इलाके की है। भगवंत खेड़ा निवासी अभिषेक यादव शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे अपने खेत से पयार लादकर घर लौट रहे थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली पर उनके दो भतीजे देवम और नैतिक भी सवार थे। खेत से आगे निकलने के बाद अभिषेक ट्रैक्टर को ऊंची मेड़ से सड़क पर चढ़ा रहे थे। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई।

अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने की तैयारियों, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक निरीक्षण करने के लिए आनंद विहार रेलवे स्टेशन का दौरा किया।

आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर हर साल त्योहारों के मुख्य समय, विशेष रूप से दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों की भारी आवाजाही होती है। सुचारू संचालन और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेलवे ने स्टेशन परिसर में नए विकसित होल्डिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्र) जैसी व्यापक व्यवस्थाएं लागू की हैं।

अपने दौरे के दौरान श्री अश्विनी वैष्णव ने उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के बारे में प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया (फ़ीडबैक) लेने के लिए यात्रियों से बातचीत की। यात्रियों ने स्टेशन पर की गई उन्नत व्यवस्थाओं और सुचारू प्रबंधन पर संतोष व्यक्त किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री अश्विनी वैष्णव ने जोर देकर कहा कि भारतीय रेलवे यात्री सुविधाओं को उन्नत करने और यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए दिन-प्रतिदिन निरंतर सुधार कर रही है। त्योहारी सीजन में मांग को पूरा करने के लिए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवाओं का संचालन शुरू किया गया है, साथ ही रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के जवानों की तैनाती बढ़ाई गई है ताकि त्योहारों के दौरान सुरक्षा और सुगम भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

कारोबार: 2 करोड़ से ज्यादा की 4 कार बिकी, 1 करोड़ से महंगी 20 कारें लोगों ने खरीदीं

धनतेरस पर 2.86 करोड़ की बीएमडब्ल्यू बिकी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में इस बार धनतेरस पर लग्जरी कारों की खरीदारी पर जमकर पैसा बरसा। 20 अक्टूबर से 6 नवंबर यानी दशहरे से धनतेरस तक शहर में करीब ढाई हजार कारों की बिक्री हुई। इनमें दो करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाली चार कारें और एक करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत वाली 20 कारें शामिल हैं। सबसे महंगी कार BMW X6 2.86 करोड़ रुपए में बिकी। वहीं, BMW i7 की ऑन-रोड कीमत 2.80 करोड़ रुपए तक है। इस दौरान लग्जरी कारों के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग भी तेजी से बढ़ी। मर्सिडीज और ऑडी कारों की डिमांड भी अधिक रही। BMW के शोरूम में करीब 45 कारों की डिलीवरी हुई, जबकि MG

की मैजेस्टर की 15 और विंडसर की 80 से 100 तक गाड़ियां बिकीं। शोरूम से मिली जानकारी के मुताबिक, BMW X6 की एक्स-शोरूम कीमत 1.77 करोड़ और ऑन-रोड कीमत करीब 2.86 करोड़ रुपए है। BMW i7 की एक्स-शोरूम कीमत 2.65 करोड़ और ऑन-रोड कीमत करीब 2.80 करोड़ रुपए है। BMW M4 की एक्स-शोरूम कीमत 1.10 करोड़ और ऑन-रोड कीमत करीब 1.30 करोड़ रुपए है। वहीं BMW i5 की एक्स-शोरूम कीमत 79.60 लाख और ऑन-रोड कीमत करीब 84 लाख रुपए है। परमप्रीत कौर के मुताबिक, अल्ट्रा लग्जरी और परफॉर्मेंस कारों में BMW M2, M4 और M40i जैसे मॉडल की मांग रही। धनतेरस के आसपास तीन से चार अल्ट्रा लग्जरी कारों की डिलीवरी की गई।

करोड़ों की कारों के लिए खुले ग्राहकों के पर्स

इस फेस्टिव सीजन में लखनऊ के लग्जरी कार बाजार में करोड़ों की गाड़ियों का खास क्रेज देखने को मिला। करोड़ों रुपए की कारें इस बार धनतेरस पर ग्राहकों ने खरीदी है। एक करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाली 20 कारों की बिक्री हुई। इससे साफ है कि शहर में लग्जरी कारों का बाजार लगातार विस्तार कर रहा है। बड़े कारोबारी, उद्योगपति और प्रीमियम सेगमेंट के ग्राहक महंगी गाड़ियों को पसंद कर रहे हैं।

बीएमडब्ल्यू के चिनहट स्थित शोरूम में इस फेस्टिव सीजन करीब 45 कारों की डिलीवरी की गई। शोरूम की मार्केटिंग हेड परमप्रीत कौर के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस बार बुकिंग में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। बीएमडब्ल्यू के साथ मिनी ब्रांड की कारों को भी ग्राहकों का अच्छा रिस्पांस मिला।

125 साल पुराने आजाद पटाखा दुकान में उमड़ी भीड़

ग्राहकों की कतारें लगीं, चौथी पीढ़ी संभाल रही कारोबार की जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । दीपावली के त्योहार को लेकर लखनऊ में लोगों में उत्साह है। बाजारों से लेकर गलियों तक रौनक दिखाई दे रही है। लोग घरों को सजाने के साथ दीपावली के लिए जमकर खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, पटाखों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। हर साल लोग बड़ी संख्या में यहां पटाखे खरीदने के लिए पहुंचते हैं।

दुबग्गा स्थित आजाद पटाखे की दुकान पर सुबह से ही पटाखे खरीदने वालों का पहुंचना शुरू हो गया। दिन चढ़ने के साथ यहां ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। इलाके में यह मानी-जानी दुकान है।125 सालों से यह दुकान पटाखों

की बिक्री के लिए मशहूर है। दुकानदार बताते हैं कि वह चौथी पीढ़ी है, जो इस कारोबार को कर रहे हैं। दुबग्गा स्थित आजाद पटाखे की दुकान पर अलग-अलग तरह के पटाखे खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। ग्राहकों को यहां सस्ते दामों पर पटाखे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी वजह से दुकान पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। परिवार के साथ पहुंचे लोग अपनी पसंद के पटाखे खरीदते नजर आए। दुकान पर हो रही जबरदस्त बिक्री से व्यापारियों के चेहरे पर भी उत्साह दिखाई दे रहा है। आजाद पटाखे की दुकान की पहचान केवल बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका इतिहास भी काफी पुराना है। दुकानदार के मुताबिक, पटाखों का यह कारोबार करीब 125 साल पुराना है। परिवार की चार पीढ़ियां इस कारोबार को आगे बढ़ा चुकी हैं और अब चौथी पीढ़ी इसकी जिम्मेदारी संभाल रही है। इतने लंबे समय से कारोबार से जुड़े होने के कारण आजाद पटाखे की लखनऊ में अलग पहचान बनी हुई है।

एक ही परिवार के 7 लोग गंभीर घायल, 10 साल की बच्ची भी शामिल, लखनऊ से गोंडा दीपावली मनाने जा रहा था परिवार

गैस टैंकर और कार की भीषण टक्कर

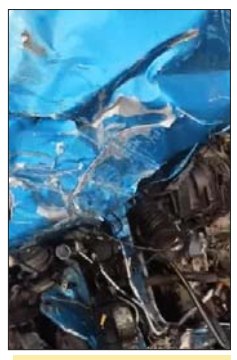

घटना

बताया जा रहा है कि परिवार के लोग कार से लखनऊ से गोंडा जा रहे थे। शनिवार सुबह उनकी गाड़ी नयागांव के पास सीएनजी पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंची थी। इसी दौरान कार और गैस टैंकर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए। कार की हालत देखकर लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटनाग्रस्त कार में सवार लोग अंदर फंस गए थे। ऐसे में उन्हें बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लोगों ने घायलों को संभाला और पुलिस तथा एंबुलेंस को घटना की सूचना दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। दीपावली के त्योहार पर अपने घर जा रहे एक परिवार की खुशियां बाराबंकी में हुए भीषण सड़क हादसे के बाद मातम और चीख-पुकार में बदल गईं। मसौली थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह गैस टैंकर और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक ही परिवार के सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और 10 साल की एक बच्ची भी शामिल है। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, परिवार लखनऊ से गोंडा दीपावली मनाने के लिए जा रहा था। इसी दौरान शनिवार सुबह करीब 8 बजे उनकी कार गोण्डा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर मसौली थाना क्षेत्र के नयागांव स्थित सीएनजी पेट्रोल पंप के पास पहुंची। तभी कार की गैस टैंकर से टक्कर हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात भी प्रभावित हुआ। गैस टैंकर और कार की टक्कर के बाद गोण्डा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के सड़क पर मौजूद रहने और मौके पर लोगों की भीड़ जुटने से हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। दोनों ओर से आने-जाने वाले वाहन कुछ समय तक फंसे रहे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाने की कार्रवाई की, जिसके बाद यातायात सामान्य कराने का प्रयास किया गया।

एक ही परिवार के सात लोग हुए घायल

इस सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के सात लोग घायल हुए हैं। घायलों की पहचान सुजीत वर्मा, उनके बेटे हार्दिक वर्मा, पत्नी कंचन लता, रंजना वर्मा, बेटी मनसा वर्मा, गया प्रसाद की पत्नी शकुंतला देवी और सुजीत की 10 वर्षीय बेटी सोना के रूप में हुई है। हादसे में परिवार के कई सदस्यों को गंभीर चोटें आई हैं। महिलाओं और बच्ची के घायल होने की जानकारी मिलने के बाद मौके पर मौजूद लोग भी चिंतित हो गए। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को कार से बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद एंबुलेंस के जरिए उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे की सूचना मिलते ही मसौली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य कराया। दुर्घटनाग्रस्त कार में फंसे घायलों को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। इसके साथ ही पुलिस ने घटनास्थल पर स्थिति को नियंत्रित करने और सड़क पर बाधित यातायात को सुचारु कराने की कार्रवाई शुरू की। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) जेपी मौर्या ने बताया कि हादसे में घायल लोगों को अस्पताल लाया गया है। सभी का उपचार किया जा रहा है। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई गई है। चिकित्सकों की टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

दीपावली मनाने जा रहा था परिवार

बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार हुआ परिवार लखनऊ से गोंडा दीपावली मनाने के लिए निकला था। त्योहार के मौके पर परिवार के लोग अपने घर पहुंचने की तैयारी में थे, लेकिन रास्ते में हुए इस हादसे ने सभी को अस्पताल पहुंचा दिया। एक ही परिवार के सात सदस्यों के घायल होने से परिजनों में चिंता का माहौल है।

ऑनलाइन गेमिंग के विवाद में दोस्त की हत्या की

रायबरेली में गला दबाया, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के जगतपुर थाना क्षेत्र के पूरे त्रिलोक सिंह गांव में प्रिंस पटेल की हत्या का पुलिस ने शनिवार दोपहर 3 बजे खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक, ऑनलाइन गेमिंग को लेकर हुए विवाद में उसके साथी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। प्रिंस पटेल आर्केस्ट्रा देखकर घर लौट रहा था। इसी दौरान ऑनलाइन गेमिंग को लेकर उसका साथी से विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, विवाद बढ़ने पर आरोपी ने प्रिंस का गला दबा दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जगतपुर थाना पुलिस ने जांच शुरू की। थाना प्रभारी वागीश मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उससे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, हत्या की वजह ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ा विवाद था। शनिवार को अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम ने प्रेसवार्ता कर मामले की जानकारी दी। उन्होंने घटना से जुड़े तथ्यों और पुलिस की कार्रवाई के बारे में बताया।

फास्ट न्यूज

हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी

उन्नाव। उन्नाव के हसनगंज कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर के बाद आग लग गई। दोनों बाइकों पर सवार दो युवक गंभीर रूप से झुलस गए। शनिवार दोपहर करीब पौने दो बजे फरहदपुर पुलिया के पास दोनों बाइकें आमने-सामने आ रही थीं। टक्कर के बाद बाइकों में आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की और पुलिस को सूचना दी।

12वीं के छात्र ने फंदा लगाकर जान दी

हरदोई। हरदोई में बघौली थाना क्षेत्र के राजेपुर मजरा करीमनगर सैदापुर गांव में 12वीं के छात्र की मौत हो गई। 18 वर्षीय सनी ने शुक्रवार रात अपने कमरे में फंदा लगा लिया। शनिवार सुबह करीब 8 बजे मां कमरे में पहुंचीं तो उसका शव लटका मिला। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के दादा रामविलास ने बताया कि सनी दो भाइयों में छोटा था। उसकी एक बहन भी है। वह निजी कॉलेज में 12वीं की पढ़ाई कर रहा था।

उन्नाव में फाइनेंसर ने घर में फांसी लगाई

उन्नाव। उन्नाव के शक्तिनगर में शनिवार सुबह फाइनेंसर दीपचंद्र (37) ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। उनका शव मकान की दूसरी मंजिल के कमरे में पंखे से लटका मिला। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। दीपचंद्र, हरिश्चंद्र के बेटे थे और शुक्लागंज स्थित श्री मोटर्स में फाइनेंसर के रूप में काम करते थे। शनिवार सुबह करीब 6 बजे वह कमरे में गए थे।

महंगाई से बदला पटाखों का बाजार

व्यापारियों का दावा, कम कीमत के चलते बढ़ी मांग

महंगाई की मार से पटाखा कारोबार प्रभावित, इस बार दुकानों की संख्या भी घटी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में दीपावली के लिए पटाखा बाजार सजने लगा है। व्यापारियों का कहना है कि महंगाई के चलते देशी पटाखों की जगह ग्राहक चाइनीज पटाखे खरीद रहे हैं। कम कीमत और ग्राहकों के बेहतर रिस्पॉन्स के कारण इनकी मांग बढ़ी है। व्यापारियों के मुताबिक, पटाखों की बढ़ती कीमतों से ग्राहकों का बजट बिगड़ा है। देशी पटाखे महंगे लगने के कारण लोग अपने बजट के हिसाब से सस्ते विकल्प तलाश रहे हैं। हालांकि, कुछ ग्राहक पारंपरिक देशी पटाखों को भी पसंद कर रहे हैं। बाराबंकी में पटाखा बाजार का उद्घाटन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह ने किया। उन्होंने बाजार में व्यापारियों से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। व्यापारियों का कहना है कि पिछले वर्षों के मुकाबले इस बार बाजार में दुकानों की संख्या कम है। महंगाई, बढ़ती लागत और बिक्री को लेकर अनिश्चितता के कारण कारोबारियों को अच्छे मुनाफे की उम्मीद कम है।

कीमत 100 से 20 हजार रुपए तक, अनार, चकरी, फुलझड़ी, रॉकेट और स्काई शॉट की डिमांड बढ़ी

100 से ज्यादा पटाखा दुकानें खुलीं

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में दीपावली को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बाजारों में रौनक बढ़ गई है। घरों की सजावट, पूजन सामग्री और मिठाइयों की खरीदारी के साथ पटाखा बाजार भी सजकर तैयार है। शहर के अब्बासपुर में पटाखों की दुकानें लगाई गई हैं।

प्रशासन की ओर से अस्थायी लाइसेंस जारी होने के बाद जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में 100 से अधिक दुकानें संचालित हो रही हैं। दुकानों पर 100 रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक के पटाखे और आतिशबाजी के सामान उपलब्ध हैं। कोई कम आवाज वाले रंगीन पटाखे खरीद रहा है तो कोई आसमान में रोशनी बिखेरने वाली आतिशबाजी पसंद कर रहा है। पटाखा बाजार में छोटे पैकेट से लेकर बड़े आतिशबाजी सेट तक उपलब्ध हैं। दुकानदारों ने ग्राहकों के बजट और पसंद के अनुसार अलग-अलग रेंज के पटाखे रखे हैं।

इनमें अनार, चकरी, फुलझड़ी, रंगीन फुलझड़ी, पेंसिल पटाखा, रॉकेट, स्काई शॉट, मल्टी शॉट, लड़ी और छोटे बम शामिल हैं। बच्चों के लिए आकर्षक पैकिंग में छोटे आतिशबाजी सेट भी रखे गए हैं।

रंगीन रोशनी छोड़ने वाले अनार और जमीन पर घूमकर रोशनी बिखेरने वाली चकरी बच्चों को आकर्षित कर रही हैं। वहीं रॉकेट, स्काई शॉट और मल्टी शॉट से आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी देखने के लिए लोग बड़े पैक खरीद रहे हैं।

कुछ परिवार पूजन के बाद बच्चों के लिए फुलझड़ी और अनार ले रहे हैं, जबकि कुछ लोग परिवार और मोहल्ले के साथ आतिशबाजी के लिए बड़े पैकेट खरीद रहे हैं।

दुकानदार बोले- गाइडलाइन के अनुसार कर रहे बिक्री

पटाखा दुकानदार मोहर्रम अली, सलमान, असलम और शानू समेत अन्य दुकानदारों ने बताया कि प्रशासन की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार दुकानें लगाई गई हैं। दुकानों पर निर्धारित मानकों के अनुरूप पटाखे रखे गए हैं। आग से बचाव के लिए फायर सिलेंडर, बालू और पानी की व्यवस्था भी की गई है। दुकानदारों का कहना है कि ग्राहकों को पटाखों का इस्तेमाल सावधानी से करने की सलाह दी जा रही है।

बड़ा और छोटा चौराहा समेत प्रमुख मार्गों पर लगा जाम

दीपावली की खरीदारी का असर शहर की यातायात व्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। शनिवार को बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा और गांधी नगर तिराहा समेत प्रमुख बाजारों और मार्गों पर लोगों की आवाजाही बढ़ने से जाम की स्थिति बनी रही। खरीदारी के लिए पहुंचे लोगों और वाहनों की भीड़ के कारण राहगीरों को परेशानी हुई। यातायात व्यवस्था संभालने के लिए प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। पुलिसकर्मी वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकलवाने और भीड़ नियंत्रित करने में जुटे रहे।

फायर सिलेंडर और बालू से सुरक्षा के इंतजाम

पटाखा दुकानों पर आग से बचाव के लिए फायर सिलेंडर, बालू और पानी की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारी लगातार बाजार का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा ले रहे हैं। एसडीएम सदर राजेश विश्वकर्मा दुकानों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं देख रहे हैं। उन्होंने दुकानदारों को निर्धारित मानकों के अनुसार पटाखों की बिक्री करने और सुरक्षा उपकरण तैयार रखने के निर्देश दिए।

बाइक से गिरकर महिला की मौत

पोती को गोद में संभालते समय बिगड़ा संतुलन, इलाज को दौरान दम तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

परिजनों को शव पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए सौंपा गया।

हरदोई। हरदोई में दिवाली की खरीदारी कर घर लौट रही महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र की संतोष कुमारी गांव के युवक की बाइक पर अपनी डेढ़ साल की पोती को गोद में लेकर बैठी थीं।

रास्ते में पोती रोने लगी तो उसे संभालने के दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़ीं। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि गोद में मौजूद बच्ची सुरक्षित बच गई।

परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां शुक्रवार शाम 6:43 बजे इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिस परिवार में दिवाली की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब मातम पसरा है। मल्लपुर गांव निवासी संतोष कुमारी गुरुवार शाम अपनी बहू वर्षा, बेटे अंकुल और डेढ़ साल की पोती नित्या के साथ बेनीगंज बाजार गई थीं। उनके साथ गांव की अन्य महिलाएं भी थीं। सभी ने दिवाली का सामान खरीदा और पैदल ही घर लौटने लगीं। बाजार से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे पहुंचने पर थकान के कारण संतोष गांव के ही एक युवक की बाइक पर बैठ गईं। उन्होंने पोती नित्या को गोद में ले रखा था।

रास्ते में बच्ची अचानक रोने लगी। उसे संभालने की कोशिश में संतोष का संतुलन बिगड़ गया और वह बाइक से नीचे सड़क पर गिर पड़ीं। उनके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं, जबकि बच्ची सुरक्षित रही। हादसे के बाद राहगीरों और परिजनों की मदद से संतोष को पहले कोथावां सीएचसी पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

वहां शुक्रवार शाम 6:43 बजे इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिवार में उनके पति, एक बेटा और एक बेटी हैं। संतोष की मौत से परिवार की त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं। शनिवार दोपहर 12:15 बजे शव का पंचनामा भरा गया। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि हादसा दूसरे थाना क्षेत्र में हुआ है। शव का पंचनामा भरवाकर आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है।

ताना मारने पर युवक ने मारी गोली

2 लाख की बाइक में पेट्रोल खत्म होने पर पड़ोसियों ने उड़ाया मजाक, धनतेरस पर खरीदी थी बाइक

तमसा संकेत, एजेंसी

थाना प्रभारी विजय कुमार मिश्रा ने बताया- घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हरदोई। हरदोई में धनतेरस की शाम युवक 2 लाख रुपए की नई R-15 बाइक खरीदी। गांव पहुंचते ही बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। घर के पास बैठे पड़ोसी युवकों ने देखा तो तंज कसना शुरू कर दिया। बोले- 'गाड़ी खरीदने के पैसे हैं, पेट्रोल डलवाने के नहीं।' इसी बात पर दोनों पक्षों के बीच बहस हो गई। गाली-गलौज होने लगी। कहासुनी मारपीट में बदल गई। परिजनों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। रात में गांव में नौटंकी थी। युवक बाइक लेकर नौटंकी देखने गया। यहीं पर उसे ताना मारने वाले लड़के मिल गए। दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई। फिर लाठी-डंडे चलने लगे। इसी बीच, आरोपी युवक राजेश (30) ने अभिषेक (28) को गोली मार दी। गोली उसके पेट में दाहिनी तरफ लगी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मारपीट में तीन अन्य लोग भी घायल हो गए। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना जिला मुख्यालय से 58 किमी दूर पाली थाना क्षेत्र के बाबरपुर गांव की है।

पिता ने दिलाई थी 2.28 लाख की बाइक

बाबरपुर गांव निवासी अभिषेक (28) का चचेरा भाई राजाबाबू (27) है। अभिषेक गांव में रहता है, जबकि राजाबाबू दिल्ली में कंप्यूटर डिप्लोमा की पढ़ाई कर रहा है। अभिषेक के पिता दिल्ली में रहते हैं। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे राजाबाबू के पिता रावेश ने उन्हें 2 लाख 28 हजार रुपए की R-15 बाइक दिलाई। बाइक लेकर दोनों भाई गांव पहुंचे। घर के पास पहुंचते ही बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। वहां मौजूद पड़ोसी अंशुल और राजेश उर्फ टमटम ने दोनों भाइयों पर तंज कसना शुरू कर दिया। राजाबाबू के मुताबिक, अंशुल (26) और राजेश (28) उर्फ टमटम एक ही मकान में रहते हैं। उनका घर दोनों भाइयों के घर से करीब 200 मीटर दूर है। अंशुल पूजा-पाठ कराने का काम करता है, जबकि राजेश खेती करता है। बाइक का पेट्रोल खत्म होने पर दोनों ने ताना मारा कि महंगी गाड़ी खरीद ली, लेकिन पेट्रोल डलवाने के पैसे नहीं हैं। इसी बात पर कहासुनी शुरू हुई और विवाद मारपीट तक पहुंच गया। परिजनों और आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

चर्चा : उन्नाव में बोले- बयान वापस नहीं लूंगा, कार्यकर्ताओं से बदसलूकी बर्दाश्त नहीं

अनिल सिंह ने बयान से पीछे हटने से इनकार किया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पुरवा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक अनिल सिंह एक बार फिर अपने जातिगत बयान को लेकर चर्चा में हैं। बयान पर उठ रहे सवालों के बीच उन्होंने शनिवार को साफ कहा कि वह अपने बयान से पीछे नहीं हटेंगे। विधायक ने कहा कि किसी भी जाति का व्यक्ति हो, यदि वह भाजपा कार्यकर्ताओं को धमकाएगा या उनके साथ बदसलूकी करेगा तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव में वोट न देना या किसी के खिलाफ चुनाव लड़ना हर व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन कार्यकर्ताओं को धमकाना और उनके साथ अभद्रता करना विरोध नहीं, बदतमीजी है। विधायक ने ठाकुर, ब्राह्मण, पासी, लोधी और प्रजापति समेत कई जातियों का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने किसी एक समाज को निशाना नहीं बनाया है। विधायक ने आरोप लगाया कि उनके बयान का वीडियो काटकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। उन्होंने लोगों से पूरा वीडियो देखने की अपील करते हुए कहा कि वह सभी जातियों की बात कर रहे थे। उन्होंने दोहराया कि वह अपने बयान को वापस नहीं लेंगे। अनिल सिंह ने 2017 के विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में भाजपा की लहर थी और पार्टी ने 325 सीटें जीती थीं। इसके बावजूद पुरवा से भाजपा प्रत्याशी उत्तम लोधी चुनाव हार गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय लोधी समाज के हितों और कथित शोषण का मुद्दा क्यों नहीं उठाया गया। विधायक ने कहा कि उनके क्षेत्र में उनकी अपनी जाति के लोग भी उनसे नाराज हो सकते हैं, लेकिन वह जाति के आधार पर राजनीति नहीं करते। अनिल सिंह ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार पुरवा से चुनाव लड़ा था, तब लोगों ने उनसे कहा था कि क्षेत्र में उनकी जाति का वोट नहीं है, इसलिए वह चुनाव नहीं जीत पाएंगे। इसके बावजूद उन्होंने जाति के बजाय विकास और काम के नाम पर वोट मांगे। उन्होंने भाजपा के 'सबका साथ, सबका विकास' और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के नारे का जिक्र करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य सभी वर्गों की सेवा करना है। विधायक ने कहा कि गरीब और अमीर के अलावा कोई दूसरी जाति नहीं होती।

महाभारत के प्रसंग से समझाया अपना पक्ष

अनिल सिंह ने अपने बयान में महाभारत और श्रीमद्भगवद्गीता का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने कहा कि जब अर्जुन युद्ध के मैदान में अपने परिवार और रिश्तेदारों को सामने देखकर विचलित हुए थे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें धर्म के लिए लड़ने का संदेश दिया था। विधायक ने कहा कि इस प्रसंग के जरिए वह समझाना चाहते हैं कि रिश्तों और मोह से ऊपर उठकर कर्तव्य का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस उदाहरण में अपनी जाति के लोगों और रिश्तेदारों को भी शामिल कर रहे थे। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में विरोध करना गलत नहीं है, लेकिन धमकी और अभद्रता स्वीकार नहीं की जा सकती। जातिगत राजनीति पर निशाना साधते हुए विधायक ने राहुल लोधी और उत्तम लोधी का भी जिक्र किया। उन्होंने राहुल लोधी को चुनौती दी कि यदि उनमें राजनीतिक ताकत है तो रायबरेली की हरचंदपुर विधानसभा सीट छोड़कर पुरवा से चुनाव लड़कर दिखाएं। विधायक ने आरोप लगाया कि कुछ लोग लोधी समाज के नाम पर राजनीति कर रहे हैं और समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

सफाईकर्मियों को गर्म वर्दी और सुरक्षा किट बांटी

दीपावली पर नपा ने कर्मचारियों को सम्मानित किया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में धनतेरस और दीपावली के मौके पर नगर पालिका ने सफाई मित्रों को गर्म वर्दी, सुरक्षा किट और मिठाई बांटी। शनिवार को पार्क व्यू पैलेस में स्वच्छता प्रहरी सम्मान समारोह हुआ। इसमें हजारों सफाई मित्रों और स्वच्छता सैनिकों को सम्मानित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर पालिका परिवार का हिस्सा हैं। शहर की सफाई व्यवस्था बनाए रखने में हर कर्मचारी की भूमिका है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को सर्दियों में सुबह से देर तक अलग-अलग जगहों पर काम करना पड़ता है। उनकी सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखकर गर्म वर्दी और सुरक्षा किट दी गई है। श्वेता भानू मिश्रा और पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवीण मिश्रा भानू ने सफाई मित्रों को दीपावली की मिठाई, गर्म वर्दी और सुरक्षा किट बांटी। प्रवीण मिश्रा भानू ने कर्मचारियों के साथ बैठकर चाय-नाश्ता किया और उनका हालचाल जाना। उन्होंने कर्मचारियों से उनकी काम की जिम्मेदारियों पर भी बात की। प्रवीण मिश्रा भानू ने कहा कि जब लोग सुबह घरों में आराम कर रहे होते हैं, तब सफाई मित्र सड़कों और गलियों की सफाई में जुटे रहते हैं। त्योहारों पर भी उनकी ड्यूटी जारी रहती है।

सम्पादकीय

बेलगाम हुआ प्रदूषण

आशा की जानी चाहिए कि दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के अन्य शहरों की प्रदूषण रोधी एजेंसियों के साथ स्थानीय निकाय और साथ ही पुलिस सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को गंभीरता से लेगी कि प्रदूषण का प्रमुख कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में भारी ट्रैफिक जाम पर यह जो प्रश्न किया कि आखिर प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, उसका अधिकारियों के पास शायद ही कोई ठोस उत्तर हो, क्योंकि तमाम उपायों के बाद भी उत्तर भारत में वायु प्रदूषण ने गंभीर रूप ले लिया है।

यह एक त्रासदी ही है कि जब लोग सबसे बड़ा उत्सव मनाने जा रहे हैं, तब वे विषाक्त हवा से जूझ रहे हैं। दीवाली पर जब गरीबों को रोजी-रोटी कमाने का अतिरिक्त अवसर मिलता है, तब उन्हें जाम के कारण ऐसा करने में परेशानी उठाने के साथ घातक किस्म के प्रदूषण का भी सामना करना पड़ रहा है। इसका सामना अन्य लोग भी कर रहे हैं। जो स्थिति दिल्ली-एनसीआर में है, वही शेष उत्तर भारत में भी। अब तो उत्तर भारत के छोटे शहर भी प्रदूषण से त्रस्त रहने लगे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि एक तो प्रदूषण रोधी सभी उपायों पर एक साथ काम नहीं किया जाता और दूसरे, तभी चेता जाता है, जब हवा विषैली हो जाती है।

वाहनों का धुआं, पराली दहन, कूड़ा-कर्कट जलना, सड़कों और निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल की रोकथाम न करना प्रदूषण के मुख्य कारण हैं।

समझना कठिन है कि ट्रैफिक जाम जैसे प्रदूषण के बड़े कारणों को दूर करने में भी शिथिलता क्यों दिखाई जा रही है? अनेक अध्ययन यह बता चुके हैं कि वायु प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन की एक बड़ी भूमिका है। जब वाहन धीमी गति से चलते हैं, तो वे कहीं घातक किस्म का उत्सर्जन करते हैं।

समस्या यह है कि उत्तर भारत का करीब-करीब हर शहर ट्रैफिक जाम से त्रस्त है। ट्रैफिक जाम का बड़ा कारण सड़कों पर अतिक्रमण है। सड़कों पर फुटपाथ या तो हैं नहीं और यदि हैं तो वे दुकानों में तब्दील हो चुके हैं।

चूंकि इन दुकानों के सामने वाहन खड़े रहते हैं, इसलिए सड़कें और संकरी हो जाती हैं। इसके चलते वाहन रेंगने को बाध्य होते हैं और वे कहीं अधिक विषाक्त धुआं छोड़ते हैं। चूंकि इसकी कोई परवाह नहीं करता कि सड़कों पर अतिक्रमण न हो, फुटपाथों पर कब्जा न हो और आटो, रिक्शा, बस आदि जहां-तहां अपना स्टापेज न बना लें, इसलिए सड़कों पर अराजकता ही दिखाई देती है।

यह त्योहारों पर और अधिक बढ़ जाती है। बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि कोई पाबंदी काम नहीं आएगी और हम जितने ज्यादा आदेश जारी करेंगे, उनके उल्लंघन के मामले उतने ही बढ़ेंगे।

धर्मग्रन्थों का अध्ययन

भारतीय वांगम्य में विभिन्न धर्मग्रन्थ हैं । उन्हीं में से एक ग्रन्थ श्रीमद्भगवद् गीता और दूसरा ग्रन्थ उत्तरज्झयणाणि हैं । श्रीमद्भगवद् गीता भारतीय दर्शन में एक महत्वपूर्ण ग्रन्थ हैं । उसका अध्ययन करने से ज्ञात होता हैं कि इसमें अध्यात्म का पथदर्शन किया गया हैं और जीवनोपयोगी दिशा- निर्देश भी दिया गया हैं । श्रीमद्भगवद् गीता ग्रन्थ में उपदेशकार श्रीकृष्ण है और मुख्यतया अर्जुन को संबोधित कर ज्ञान गंगा प्रवाहित की गईं हैं । श्रीकृष्ण की और से जो निर्देश दिए गए हैं , वे बहुत महत्वपूर्ण हैं । गीता का प्रारम्भ युद्ध की बात से होता हैं । युद्ध से प्रारम्भ हुआ यह ग्रन्थ हमको कितना आध्यात्मिक और मार्मिक संदेश अर्जुन को दे रहा हैं अथवा अर्जुन के माध्यम से हम श्रोताओं को दे रहा हैं । यह समझने की बात हैं । उसे एक दिशा निर्देशक, मार्गदर्शक ग्रन्थ के रूप में स्वीकार किया जा सकता हैं । कोई - कोई बात सबको मान्य न हो परन्तु सामान्य रूप से क़ाफी बातें ऐसी हैं जो हर आदमी के लिए पथदर्शन के रूप में हैं । उत्तरज्झयणाणि में कितने अध्यात्म के सूत्र और तत्त्वविधा की गाथाएं प्राप्त होती हैं । प्राकृत भाषा में जिसे उत्तरज्झयणाणि कहा जाता हैं , उसका संस्कृतिकरण या हिन्दीकरण उत्तराध्ययन हैं । गीता में जहां अठारह अध्याय हैं वहां उत्तराध्ययन सूत्र में छत्तीस अध्ययन हैं । इसमें घटना अथवा कथाओं के माध्यम से बड़ी सरसता के साथ आध्यात्मिक- वैराग्यवर्धक उपदेश दिया गया हैं । वह सिद्धान्त व दर्शन की बातें बताईं गईं हैं । हौसलों की बुलंदियों के साथ आत्मविश्वास के पंख लगा, लक्ष्य को पाने के जुनून को लिए जब हम मंजिल की ओर कदम बढ़ाते हैं तो सफलता स्वयं आगे बढ़कर गले लगाती हैं। और यही ख़ुशी अत्यंत प्रसन्नता लेकर आती हैं। वास्तव में जानने के बाद ज्ञानी के मन में अपने ज्ञान के बारे में प्रदर्शन करने की इच्छा ही नहीं रहती । इन्सान शान्त और सरल हो जाता है। उसके व्यहार में उसका ज्ञान झलकने लगता है।जैसे गहरी नदी शोर नहीं करती वैसे ही ज्ञान की गहराई ढिंढोरा नहीं पीटती। वह जो ज्ञान की गहराई में उतर जाता है, उसे भीतर ईश्वर मिल जाता है।उसका मौन ही उसका गवाह बन जाता है।

› प्रदीप छाजेड़

66
गोवंश के प्रति करुणा, सत्यनिष्ठा और मातृत्व के आदर्श को अभिव्यक्त करने वाला एक अत्यंत मार्मिक आख्यान पद्मपुराण के सृष्टिखंड में वर्णित नंदा गाय और व्याघ्र की कथा है।

जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा का पर्व दीपोत्सव : कथा-प्रथा

भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार केवल उल्लास, उत्सव तथा परंपराओं के निर्वहन के माध्यम नहीं हैं, अपितु वे जीवन-दर्शन, आध्यात्मिक चेतना और मानवीय मूल्यों के संवाहक भी हैं। इन्हीं सांस्कृतिक पर्वों की श्रृंखला में दीपावली का स्थान अत्यंत विशिष्ट एवं महत्त्वपूर्ण है। कार्तिक अमावस्या की अंधकारमयी रात्रि में असंख्य दीपों का प्रज्वलन केवल घर-आँगन को आलोकित करने की परंपरा नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन में व्याप्त अज्ञान, अहंकार, लोभ, ईर्ष्या और नकारात्मकता को तिरोहित कर सत्य, सद्भाव, करुणा एवं सदाचार की प्रतिष्ठा करने का सांस्कृतिक उद्घोष है। वस्तुतः दीपोत्सव भारतीय जीवन-मूल्यों की वह सनातन अभिव्यक्ति है, जिसमें धर्म, दर्शन, लोकविश्वास, कृषि-संस्कृति और पारिवारिक आत्मीयता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

दीपावली की सर्वाधिक प्रचलित पौराणिक मान्यता भगवान श्रीराम के चौदह वर्षों के वनवास और रावण-वध के उपरांत माता सीता तथा अनुज लक्ष्मण के साथ अयोध्या प्रत्यावर्तन से जुड़ी है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आगमन पर अयोध्यावासियों ने दीप प्रज्वलित कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की थी। यह प्रसंग केवल एक आदर्श राजा के राज्याभिषेक अथवा आगमन का उत्सव नहीं, बल्कि अन्याय पर न्याय, अधर्म पर धर्म और अहंकार पर मर्यादा की विजय का प्रतीक है। इसी प्रकार श्रीमद्भागवत महापुराण में वर्णित भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के अत्याचारों से देवियों एवं जनसामान्य को मुक्ति दिलाने का आख्यान नरक चतुर्दशी की परंपरा से संबद्ध है। इन कथाओं का अंतर्निहित संदेश यही है कि जब मनुष्य अपने भीतर के अंधकार को परास्त करता है, तभी वास्तविक दीपावली घटित होती है।

दीपोत्सव की परंपरा का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष गोवंश और कृषि-संस्कृति के प्रति भारतीय समाज की कृतज्ञता भी है। प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था में गाय, बैल और अन्य पशुधन केवल आजीविका के साधन नहीं थे, बल्कि ग्रामीण जीवन की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के आधार थे। गोपालन, दुग्ध उत्पादन, कृषि कार्य तथा परिवहन में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। इसीलिए दीपावली से संबद्ध विभिन्न लोकपरंपराओं में गोपूजन, गोवर्धन पूजा और पशुधन के अलंकरण की परिपाटी विकसित हुई। छत्तीसगढ़ के अनेक ग्रामीण अंचलों में गोवंश से जुड़ी लोकपरंपराएँ, राउत समुदाय का उत्सव और कर्मा जैसे लोकनृत्य इस सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखते हैं।

आख्यान के अनुसार, वन में चरते समय नंदा नामक गाय का सामना एक व्याघ्र से हो जाता है। मृत्यु के भय से विचलित होने के स्थान पर वह अपने भूखे बछड़े को अंतिम बार दूध पिलाने और फिर लौटकर आने का वचन देती है। व्याघ्र उसकी सत्यनिष्ठा पर विश्वास कर उसे जाने देता है। गाय अपने बछड़े को दूध पिलाकर उसे समस्त परिस्थिति से अवगत कराती है और पुनः अपने वचन का निर्वहन करने वन की ओर चल पड़ती है। अंततः उसके सत्य, मातृत्व और वचनपालन से व्याघ्र का हृदय परिवर्तित हो जाता है। यह कथा भारतीय लोकमानस में सत्य, करुणा, मातृप्रेम और प्राणिमात्र के प्रति संवेदनशीलता का अनुपम उदाहरण है। महाराष्ट्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में गाय और व्याघ्र से संबद्ध लोककथाएँ तथा वसुबारस जैसी परंपराएँ भी प्रचलित हैं। इन आख्यानों का मर्म यह है कि नैतिकता की प्रतिष्ठा मनुष्य तक सीमित नहीं, बल्कि समस्त जीव-जगत के प्रति दया और उत्तरदायित्व में निहित है। दीपोत्सव का एक अन्य महत्त्वपूर्ण प्रसंग भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की कथा है। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित इस प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के अहंकार का शमन करते हुए ब्रजवासियों को गोवर्धन पर्वत की पूजा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश दिया। गोवर्धन पूजा वस्तुतः पर्वत, वनस्पति, जल, पशुधन और पर्यावरण के संरक्षण की भारतीय चेतना का प्रतीक है। अन्नकूट की परंपरा में विविध प्रकार के अन्न एवं व्यंजनों का नैवेद्य अर्पित करना कृषि-समृद्धि और सामुदायिक सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम है। धनतेरस से प्रारंभ होने वाला दीपोत्सव स्वास्थ्य, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की कामना से भी जुड़ा हुआ है। समुद्र मंथन के पौराणिक आख्यान में भगवान धन्वंतरि का अमृतकलश के साथ प्राकट्य आयुर्वेद, आरोग्य और जीवन-संरक्षण की महत्ता को प्रतिष्ठित करता है। इसीलिए धनतेरस को धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन धन, आरोग्य और ऐश्वर्य के प्रतीक के रूप में भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी तथा भगवान कुबेर की उपासना की जाती है। भारतीय दर्शन में धन की सार्थकता उसके सदुपयोग में निहित है। जिस समृद्धि से समाज का कल्याण न हो, वह वास्तविक संपन्नता नहीं हो सकती।

धनतेरस पर यमदीपदान की परंपरा भी लोकविश्वासों में विशेष महत्त्व रखती है। प्रचलित लोककथा के अनुसार, राजा हेम के पुत्र की अल्पायु में मृत्यु की भविष्यवाणी हुई थी। किंतु उसकी पत्नी ने दीप प्रज्वलित कर रात्रि जागरण किया और अपने पति की रक्षा के लिए यमराज के आगमन का मार्ग अवरुद्ध कर दिया। इस कथा के आधार पर यमदीपदान को अकाल मृत्यु से रक्षा की मंगलकामना से जोड़ा जाता है। यह आख्यान हमें जीवन की अनिश्चितता के बीच आशा, प्रेम और पारिवारिक उत्तरदायित्व की महत्ता का बोध कराता है। कार्तिक अमावस्या को माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की संयुक्त उपासना दीपावली का केंद्रीय धार्मिक विधान है। माता लक्ष्मी धन, ऐश्वर्य, सौभाग्य और समृद्धि की अधिष्ठात्री हैं, जबकि भगवान गणेश विवेक, बुद्धि, शुभारंभ और विघ्नविनाश के प्रतीक हैं। दोनों की संयुक्त आराधना का आध्यात्मिक आशय यह है कि धन के साथ विवेक और समृद्धि के साथ सद्बुद्धि का होना अनिवार्य है। केवल संपत्ति अर्जित करना जीवन की सफलता नहीं है; उसका न्यायपूर्ण, नैतिक और लोककल्याणकारी उपयोग ही वास्तविक लक्ष्मी-प्राप्ति है। इसी अवसर पर बहीखातों, लेखनी और ज्ञानोपकरणों का पूजन भी कर्म, विद्या और व्यवसाय में शुचिता के महत्त्व को रेखांकित करता है। दीपोत्सव का उल्लास कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट तथा द्वितीया को भाई दूज के रूप में आगे बढ़ता है। भाई दूज से जुड़ी यम और यमुना की पौराणिक कथा भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और पारस्परिक संरक्षण का संदेश देती है।

– कुंवर शील वर्धन प्रताप नारायण सिंह

दीपावली के दौरान...

कुमार कृष्णन

दीपावली का उजाला प्रदूषण के अंधकार में न खो जाए

दीपावली भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जिसमें प्रकाश, उल्लास, आत्मीयता और सामाजिक मेलजोल का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। घरों में दीप जलते हैं, आंगन में रंगोली सजती है, मंदिरों में पूजा होती है और लोग अपने मित्रों, रिश्तेदारों तथा बच्चों के बीच मिठाइयां और उपहार बांटकर खुशियां साझा करते हैं। दीपावली केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक है। लेकिन इस उत्सव का एक दूसरा पक्ष भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस पर्व का समापन प्रकाश और प्रसन्नता के साथ होना चाहिए, उसका एक बड़ा हिस्सा हम अपने पर्यावरण में धुआं, जहरीले कण और कचरा छोड़कर समाप्त करते हैं।

दीपावली के अवसर पर कई दिनों तक चलने वाली आतिशबाजी वातावरण की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। पटाखों से निकलने वाला धुआं केवल कुछ समय के लिए दिखाई देने वाला धुआं नहीं होता, बल्कि उसमें मौजूद सूक्ष्म कण और रासायनिक प्रदूषक मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। पटाखों में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न रासायनिक पदार्थों के जलने से सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और धातुओं के सूक्ष्म कण वातावरण में पहुंचते हैं। इनके साथ पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे प्रदूषक हवा में घुल जाते हैं। पीएम 2.5 के कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि सांस के साथ फेफड़ों के भीतर गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक में प्रवेश कर सकते हैं।

दीपावली के बाद अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता खराब होने और धुंध बढ़ने की समस्या सामने आती है। आतिशबाजी से निकले धुएं और पहले से मौजूद प्रदूषण के मिलने से वातावरण में प्रदूषकों का स्तर बढ़ सकता है। इसका असर केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों में भी महसूस किया जाता है। पटना, दिल्ली, लखनऊ और अन्य शहरी क्षेत्रों में दीपावली के बाद हवा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। हवा में प्रदूषकों की अधिकता से दृश्यता कम होती है और सांस लेने में परेशानी बढ़ती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण का संबंध हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और श्वसन संक्रमण जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से है।

दीपावली के दौरान प्रदूषण का तत्काल प्रभाव आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में कठिनाई और एलर्जी के रूप में दिखाई दे सकता है। दमा और ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों के लिए यह स्थिति अधिक गंभीर हो सकती है। पहले से हृदय और फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे लोगों को भी अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बच्चे, बुजुर्ग और नवजात शिशु इस प्रदूषण के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। बच्चों के फेफड़े विकसित होने की प्रक्रिया में होते हैं। ऐसे में प्रदूषित हवा उनके स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकती है। बुजुर्गों में पहले से मौजूद सांस और हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए दीपावली के नाम पर होने वाली आतिशबाजी को केवल व्यक्तिगत पसंद या मनोरंजन का विषय मानना उचित नहीं है। इसका असर उन लोगों पर भी पड़ता है, जो स्वयं पटाखे नहीं जलाते।

आतिशबाजी से निकलने वाले रासायनिक पदार्थों में बेरियम, स्ट्रॉन्शियम, तांबा, एल्युमिनियम और अन्य धातुओं के यौगिक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। अलग-अलग पटाखों की रासायनिक संरचना अलग होती है। इनके जलने के बाद कुछ पदार्थ हवा में सूक्ष्म कणों के रूप में फैलते हैं और कुछ अवशेष जमीन पर जमा हो जाते हैं। बारिश या पानी के बहाव के साथ ये पदार्थ मिट्टी और जलस्रोतों तक पहुंच सकते हैं। इस तरह आतिशबाजी का असर केवल वायुमंडल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पर्यावरण के दूसरे घटकों को भी प्रभावित कर सकता है। दीपावली के दौरान ध्वनि प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बन जाता है। तेज आवाज वाले पटाखों के विस्फोट से कानों पर अचानक तीव्र ध्वनि का दबाव पड़ता है। बहुत तेज आवाज से सुनने की क्षमता को स्थायी नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। इसके अलावा तेज आवाज से घबराहट, बेचैनी, नींद में बाधा और तनाव जैसी समस्याएं भी पैदा हो सकती हैं। हृदय रोगियों, उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोगों, छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए लगातार होने वाले धमाके विशेष रूप से कष्टदायक होते हैं। इसका असर केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है। पशु-पक्षियों के लिए भी आतिशबाजी का शोर भय और तनाव का कारण बनता है। पालतू कुत्ते-बिल्लियां तेज आवाज से घबरा जाते हैं। पक्षियों की सामान्य गतिविधियां बाधित होती हैं। कई बार वे भयभीत होकर अपने ठिकानों से उड़ जाते हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो सकते हैं। प्रकृति के साथ सहअस्तित्व भारतीय संस्कृति के मूल विचारों में शामिल रहा है। ऐसे में हमारे उत्सवों का स्वरूप ऐसा होना चाहिए, जिसमें मनुष्य के साथ दूसरे जीवों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए।

वर्तमान में चंदा ...

बी0एल0 यादव

स्वयं सहायता समूह की सदस्या ने नर्सरी उद्यम स्थापित कर मासिक आय में की बढ़ोत्तरी

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में महिला सशक्तीकरण को नई दिशा मिली है। प्रदेश सरकार की नीतियों का लाभ लेते हुए महिलायें आत्मनिर्भर हो रही है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ग्रामीण महिलाए आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। मिर्जापुर जिले के सिटी विकास खंड के धौरुपुर गांव की निवासी चंदा देवी ने विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत नहीं हारी और अपने अनुभव व मेहनत के बल पर नर्सरी व्यवसाय को आगे बढ़ाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह बनाई है। आज उनकी नर्सरी न केवल परिवार की आजीविका का मजबूत आधार बनी है, बल्कि चार अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रही है।

कक्षा 12 तक शिक्षित 39 वर्षीय चंदा देवी के जीवन में पति के निधन के बाद कठिन परिस्थितियां आ गईं। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। उनके पति छोटे स्तर पर पौधों की नर्सरी चलाते थे। पति के साथ काम करने के दौरान चंदा देवी ने पौधों की देखभाल, मौसम के अनुसार पौधे तैयार करने और ग्राहकों की मांग को समझने का अनुभव प्राप्त किया था। इसी अनुभव को अपनी ताकत बनाकर उन्होंने पति के नर्सरी व्यवसाय को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अपनी बचत से रू 1.50 लाख का निवेश कर उन्होंने नए सिरे से नर्सरी का संचालन शुरू किया। शुरुआत में सीमित संख्या में पौधों के साथ काम शुरू करने वाली चंदा देवी ने धीरे-धीरे बाजार की मांग और ग्राहकों की पसंद के अनुरूप अपने व्यवसाय का विस्तार किया। इस दौरान उनका जुड़ाव उद्यमिता विकास परियोजना से हुआ । सामुदायिक बैठकों, समूह चर्चाओं और कैनवास गतिविधियों में भाग लेने से उन्हें उद्यम प्रबंधन, व्यवसाय विस्तार, तकनीकी जानकारी, वित्तीय प्रबंधन और विपणन के संबंध में उपयोगी मार्गदर्शन मिला ।

नर्सरी के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता सामने आने पर परियोजना टीम ने उनके उद्यम का आकलन किया। इसके बाद हिम्मत प्रेरणा महिला संकुल समिति के माध्यम से उन्हें रू 1 लाख का ऋण उपलब्ध कराया गया। इस सहयोग से चंदा देवी नर्सरी में अधिक संख्या में पौधे रख सकीं और अपने व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ा सकीं। उन्हें बैनर, विजिटिंग कार्ड, रजिस्टर, बही-खाता, उद्यम पंजीकरण, विपणन और गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित जानकारी भी प्रदान की गई, जिससे उनके व्यवसाय के संचालन और प्रबंधन को मजबूती मिली।

वर्तमान में चंदा देवी की नर्सरी में फूलदार, सजावटी, फलदार, छायादार और घरों व बगीचों में लगाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पौधे उपलब्ध हैं। वे अपने उद्यम से जुड़े निर्णय और वित्तीय लेन-देन स्वयं करती हैं। उनकी मेहनत और बेहतर प्रबंधन का परिणाम है कि पहले जहां उनकी मासिक आय लगभग रू 8,000 थी, वहीं अब बढ़कर रू 20,000 हो गई है। इससे बच्चों की पढ़ाई और परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद मिल रही है।

चंदा देवी का उद्यम आर्थिक स्वावलंबन के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहा है। पौधों की बिक्री के माध्यम से क्षेत्र में हरियाली को बढ़ावा मिल रहा है।

जरा हटके

कुकुवार की यह ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जनपद प्रतापगढ़ में बढ़ी शुद्ध पेयजल की अविरल धार

केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण अंचलों के सर्वांगीण विकास एवं बुनियादी सुविधाओं के विस्तार हेतु संचालित 'जल जीवन मिशन' जनपद प्रतापगढ़ में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन रहा है। जनपद के विकास खण्ड पट्टी की ग्राम पंचायत कुकुवार में स्थापित ग्रामीण पाइप पेयजल योजना इस राष्ट्रीय संकल्प के प्रभावी क्रियान्वयन की मिसाल बनकर उभरी है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक परिवार को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुलभ कराने की यह महत्वाकांक्षी पहल ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार ला रही है।

विगत वर्षों में ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही कुकुवार सहित जनपद प्रतापगढ़ के ग्रामीण अंचलों में पेयजल का विकट संकट उत्पन्न हो जाता था। भूजल स्तर अत्यधिक नीचे चले जाने के कारण पारंपरिक हैंडपंप एवं कुएं पूरी तरह निष्प्रभावी हो जाते थे। दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं को दूर-दराज के स्रोतों से पानी ढोना पड़ता था। इस विषम परिस्थिति से ग्रामीणों का समय और श्रम नष्ट होने के साथ-साथ परिवार का स्वास्थ्य भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता था।

इस दीर्घकालिक समस्या के स्थायी समाधान के उद्देश्य से प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा ग्राम स्तर पर ठोस कार्ययोजना तैयार की गई। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु ग्राम सभा कुकुवार द्वारा तत्परता दिखाते हुए आवश्यक भूमि चिन्हित कर कार्यदायी संस्था को हस्तांतरित की गई। भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित होते ही तकनीकी मानकों के अनुरूप नलकूप बोरिंग, उच्च जलाशय (ओवरहेड टैंक), पंप हाउस और वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य प्रारंभ कराया गया।

ग्रामीणों की सुविधा और कार्य की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा पाइप-लाइन बिछाने के उपरांत मार्गों के रेस्टोरेशन (पुनर्स्थापन) का कार्य अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया गया। विभागीय तकनीकी दल द्वारा निरन्तर स्थलीय निरीक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर क्षतिग्रस्त रास्तों की समयबद्ध मरम्मत कराई गई। इस प्रभावी प्रशासनिक समन्वय के फलस्वरूप गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना पेयजल परियोजना का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ।

निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात ग्राम पंचायत कुकुवार में उच्च जलाशय से दबावयुक्त शुद्ध जलापूर्ति विधिवत प्रारंभ कर दी गई है। वर्तमान में ग्राम के प्रत्येक घर को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है। निर्धारित मानकों के अनुसार प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर सुरक्षित पेयजल की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित होने से ग्रामीणों को भीषण गर्मी में भी जल संकट से पूर्ण राहत मिली है तथा पारम्परिक जलस्रोतों पर उनकी निर्भरता समाप्त हो गई है।

प्रत्येक घर तक नल से जल पहुंचने का सर्वाधिक लाभ ग्रामीण जनस्वास्थ्य पर परिलक्षित हो रहा है। शुद्ध जल प्राप्त हो जाने से जलजनित बीमारियों जैसे डायरिया, पेचिश और पेट से सम्बन्धित संक्रमणों में भारी कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही महिलाओं को पानी लाने की कठिन शारीरिक मशक्कत से मुक्ति मिली है, जिससे वे अपने समय का सदुपयोग आजीविका संवर्धन, स्वयं सहायता समूहों और पारिवारिक कल्याण में कर पा रही हैं।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल की निरंतर शुद्धता सुनिश्चित करने हेतु त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। प्रदेश सरकार की नीति के अनुरूप जनपद प्रतापगढ़ में जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए ग्राम पंचायत की महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) संचालन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। ये प्रशिक्षित महिलाएं नलों से मिलने वाले पानी की नियमित रासायनिक एवं जीवाणुजनित जांच करती हैं तथा आंकड़ों को राज्य के डिजिटल पोर्टल पर दर्ज करती हैं, जिससे सुरक्षित पेयजल आपूर्ति का विश्वास और मजबूत हुआ है।

योजना की दीर्घकालिक स्थिरता और संरक्षण के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा सामुदायिक स्वामित्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर गठित 'पानी समिति' को परिसम्पत्तियों के संचालन एवं अनुरक्षण का दायित्व सौंपा गया है। यह समिति नियमित जलापूर्ति, मामूली तकनीकी खामियों के त्वरित सुधार तथा जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने का कार्य कर रही है। ग्राम सभा द्वारा जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से ग्रामीणों को जल अपव्यय रोकने और संचयन के प्रति निरन्तर प्रेरित किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत कुकुवार में स्वच्छता और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए अपशिष्ट जल (ग्रे-वाटर) के सुरक्षित निस्तारण की भी समुचित व्यवस्था की गई है। नलों के उपयोग से निकलने वाले अतिरिक्त जल के प्रबन्धन हेतु व्यक्तिगत एवं सामुदायिक सोकपिट का निर्माण कराया गया है, जिससे रास्तों पर जलभराव समाप्त हुआ है। साथ ही, जिला प्रशासन द्वारा जल स्रोतों के पुनर्भरण हेतु ग्राम में स्थित पारंपरिक सरोवरों के जीर्णोद्धार का कार्य भी मिशन मोड में कराया जा रहा है।

कुकुवार की यह उपलब्धि जनपद प्रतापगढ़ के ग्रामीण परिदृश्य में दर्ज हो रहे व्यापक कायाकल्प की एक बेहतरीन झलक है। जिला प्रशासन के सतत अनुश्रवण में जनपद के समस्त विकास खण्डों के हजारों राजस्व ग्रामों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने का कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। कुकुवार में अंतर-विभागीय समन्वय, स्थानीय जन-सहयोग और पारदर्शी कार्यशैली का जो प्रारूप अपनाया गया, वह जनपद की अन्य पेयजल परियोजनाओं के लिए भी एक पथ-प्रदर्शक के रूप में कार्य कर रहा है।

कुकुवार के प्रत्येक घर में पहुंच रही नल की यह अविरल धारा न केवल ग्रामीणों की प्यास बुझा रही है, बल्कि ग्रामीण सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और उत्तर प्रदेश सरकार के 'स्वच्छ एवं स्वस्थ गांव' के संकल्प को यथार्थ के धरातल पर साकार कर रही है।

शरीर का एक हिस्सा पर छत पर, हाथ-पैर 10 मीटर दूर गिरे, मकान ढहा
दिल्ली नंबर की संदिग्ध स्कूटी मिली

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में दीपावली से पहले पटाखा बनाने के दौरान हुए भीषण विस्फोट में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हथगांव थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर दो में शनिवार शाम करीब चार बजे एक मकान में अचानक जोरदार धमाका हुआ। बताया जा रहा है कि मकान में 55 वर्षीय महिला नसरीन अवैध रूप से पटाखे बना रही थीं। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में तेज धमाका हुआ, जिसकी चपेट में आकर पटाखों में भी आग लग गई। इसके बाद हुए विस्फोट ने पूरे मकान को हिलाकर रख दिया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि महिला के शरीर के दो हिस्से हो गए। शरीर का एक हिस्सा छत पर जा गिरा, जबकि बाकी हिस्से करीब 10 मीटर दूर तक जा गिरे। हादसे में मकान की छत भी ढह गई और घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए और अपने घरों से बाहर निकल आए। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, विस्फोट की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, हथगांव थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर दो निवासी रफी अहमद अपनी 55 वर्षीय पत्नी नसरीन के साथ रहते थे। शनिवार शाम करीब चार बजे नसरीन घर में पटाखे बना रही थीं। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में अचानक तेज धमाका हो गया। बताया जा रहा है कि फ्रिज में हुए विस्फोट के बाद वहां मौजूद पटाखों में भी आग लग गई और देखते ही देखते जोरदार धमाका हो गया। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। विस्फोट की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, महिला घर में अवैध रूप से पटाखे तैयार कर रही थीं। हालांकि, विस्फोट किस वजह से हुआ और फ्रिज में धमाका कैसे हुआ, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। हादसा इतना भयावह था कि विस्फोट के बाद महिला का शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। धमाके की ताकत से शरीर के दो हिस्से हो गए। बताया गया कि शरीर का आधा हिस्सा मकान की छत पर जा गिरा, जबकि बाकी हिस्से और हाथ-पैर करीब 10 मीटर दूर तक जा गिरे। विस्फोट के कारण मकान को भी भारी नुकसान पहुंचा। घर की छत गिर गई और इमारत का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास के मकानों तक धमाके की आवाज सुनाई दी। अचानक हुए इस हादसे से मोहल्ले में

दहशत फैल गई। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शनिवार शाम अचानक इतनी तेज आवाज आई कि आसपास रहने वाले लोग घबरा गए। शुरुआत में लोगों को समझ नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है। जब लोग मौके पर पहुंचे तो मकान की हालत देखकर हैरान रह गए। घर का हिस्सा क्षतिग्रस्त था और छत भी गिर चुकी थी। हादसे की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। इसके बाद हथगांव थाना पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल पर लोगों की आवाजाही नियंत्रित की और मामले की जानकारी जुटानी शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

हथगांव थाने के प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। धमाका किन कारणों से और कैसे हुआ, इसकी वास्तविक वजह फॉरेंसिक रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट तौर पर कही जा सकती है।"

नगरीय विकास के उत्कृष्ट कार्यों और नवाचारों को मिलेगी नई पहचान

मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने 'नगरीय सिंधु' मासिक पत्रिका का किया शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

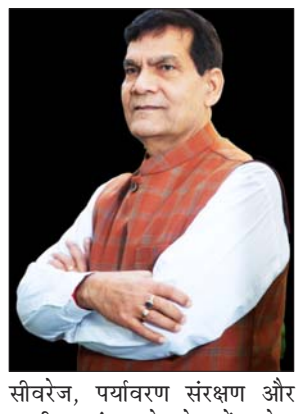

लखनऊ। नगरों में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों, नवाचारों और नगरीय विकास की नई पहल को प्रदेशभर में साझा करने के उद्देश्य से नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने आज नगरीय निकाय निदेशालय एवं नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के तत्वावधान में प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका 'नगरीय सिंधु' का शुभारंभ किया। इस पत्रिका के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों, विकासपरक योजनाओं, नवाचारों तथा नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों का नियमित आदान-प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नगरों में स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं, जलापूर्ति, सीवरेज, पर्यावरण संरक्षण और नगरीय प्रबंधन के क्षेत्र में अनेक अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों और नवाचारों की जानकारी दूसरे नगरीय निकायों तक पहुंचना आवश्यक है, ताकि एक नगर में अपनाई गई अच्छी पहल दूसरे नगरों के लिए भी प्रेरणा बन सके। 'नगरीय सिंधु' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगी। उन्होंने कहा कि नगरीय विकास केवल आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तक सीमित नहीं है।

फास्ट न्यूज

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे केंद्र प्रभारी ने फायर सिलेंडर से आग पर पाया काबू

(बाराबंकी)। सूरतगंज कस्बे के दशहरा मैदान के पास स्थित वित्तीय साक्षरता केंद्र में शनिवार शाम अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।
आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।
जानकारी के अनुसार, केंद्र से धुआं और आग की लपटें निकलती देख स्थानीय लोगों ने तत्काल केंद्र प्रभारी लवकुश कुमार मौर्य को घटना की सूचना दी।

गाजियाबाद पुलिस चौकी धमाका-दिल्ली नंबर की संदिग्ध स्कूटी मिली

गाजियाबाद। गाजियाबाद में वसुंधरा पुलिस चौकी में धनतेरस की रात हुए ब्लास्ट को लेकर कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। दावा किया जा रहा है कि एलिवेटेड रोड से विस्फोटक नीचे चौकी पर फेंका गया। वहां दिल्ली नंबर की संदिग्ध स्कूटी भी मिली है। सुरक्षा एजेंसी मामले की जांच में जुट गई है। इससे पहले, ATS-NIA, बम निरोधक दस्ते की टीम मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए। सोशल मीडिया पर कश्मीर के आतंकी संगठन की तरफ से धमाके की जिम्मेदारी लेने के बाद आतंकी साजिश की भी जांच की जा रही है।

कबुलपुर बाजार में खड़ी दोपहिया गाड़ी में आग लगी

जौनपुर। जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र के कबुलपुर बाजार में शनिवार शाम करीब 5 बजे सड़क किनारे खड़ी दोपहिया गाड़ी में आग लग गई। गाड़ी जलकर खाक हो गई। सिरकोनी क्षेत्र के बीरभानपुर गांव निवासी आसुतोष पाठक, अरविंद पाठक के बेटे हैं। वह शनिवार शाम निजी काम से कबुलपुर बाजार आए थे। गाड़ी सड़क पर खड़ी कर वह पास की दुकान से सामान लेने गए थे।

पटाखा ले जा रही दो बाइकों की टक्कर

उन्नाव में दो युवक झुलसे, सड़क पर पड़े तड़पते रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पटाखा से जा रहे दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद जोरदार धमका हुआ। धमाके के बाद दोनों बाइकें धू-धूकर जलती रहीं। बाइक सवार दोनों युवक बुरी तरह से जल गए। दोनों सड़क पर पड़े तड़पते रहे। घटना जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर शनिवार दोपहर करीब 1: 45 बजे की हसनगंज कोतवाली की है। पास मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की और पुलिस को सूचना दी। मौलवी खेड़ा मजरा बरुआहर के करन (22) और असोहा थाना क्षेत्र के ऊंचागांव के मनोज (50) शनिवार को काम पर से घर लौट रहे थे। करन सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी करता है, जबकि मनोज रोलर ड्राइवर है। दीपावली का त्योहार होने के कारण शनिवार को दोनों ने जल्दी काम बंद कर दिया था। इसके बाद दोनों बाइक से घर के लिए निकले थे। दोपहर करीब 1: 45 बजे दोनों एक ही बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान फरहदपुर पुलिया के पास मोहान की तरफ से आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद एक बाइक पर लदे पटाखों में जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था।

पिता की लाश के साथ 7 दिन रहा बेटा

कानपुर में घर से आ रही थी बदबू, बेटी धनतेरस पर मिठाई लेकर पहुंची तो पता चला

तमसा संकेत, एजेंसी

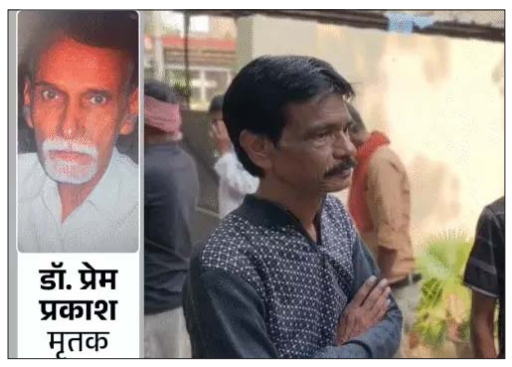

कानपुर। कानपुर में डॉक्टर की मौत के बाद बेटा 7 दिन तक सड़ी लाश के साथ सोता रहा। शुक्रवार को धनतेरस पर बड़ी बेटी ने कार खरीदी और मिठाई खिलाने के फ्लैट पर पहुंची। दरवाजा खटखटाने पर भाई ने गेट खोला तो अंदर से तेज दुर्गंध आई। कमरे में पहुंची तो बेड पर पिता का सड़ा हुआ शव पड़ा देखकर चीख पड़ी। उसने आसपास के लोगों को बुलाया। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। मामला पनकी के रतनपुर स्थित अमन एनक्लेव की है। नजीराबाद थाना क्षेत्र के अशोक नगर में रहने वाली अर्चना गृहणी हैं। उनके परिवार में पति विनय कुमार और बेटा अनमोल है। अर्चना ने बताया- उन्होंने धनतेरस पर नई वैगनआर कार खरीदी थी। शुक्रवार देर रात वह कार लेकर सबसे पहले पनकी मंदिर पहुंचीं और पूजा की। इसके बाद रतनपुर के अमन एनक्लेव में रहने वाले अपने 82 वर्षीय पिता डॉ. प्रेम प्रकाश और भाई विजय श्रीवास्तव को मिठाई खिलाने पहुंचीं। परिजनों के मुताबिक, पिता ही रोज खाना बनाकर विजय को खिलाते थे। ऐसे में उनकी मौत के बाद पांच से सात दिन तक विजय ने क्या खाया, यह सवाल बना हुआ है। क्या वह खुद खाना बनाता था या पहले से रखा खाना खा रहा था? पुलिस और फॉरेंसिक टीम के मुताबिक, शव करीब पांच से सात दिन पुराना है। मौत का सही समय और वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगी। एसीपी पनकी अमित चौरसिया ने बताया- शव करीब पांच से सात दिन पुराना लग रहा था। बेटे के कमरे में मौजूद होने की जानकारी मिली है। परिजनों ने उसे मानसिक रूप से परेशान बताया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चलेगी।

बेड पर मिला पिता का सड़ा हुआ शव

फ्लैट का दरवाजा खटखटाने पर भाई विजय ने खोला। अंदर जाते ही तेज दुर्गंध आई। घर में सामान बिखरा था। चारों तरफ गंदगी फैली थी। पिता के कमरे में पहुंचीं तो उनका शव बेड पर पड़ा था। शव कई दिन पुराना होने के कारण सड़ चुका था। यह देखकर अर्चना चीख पड़ीं। इसके बाद परिजनों ने 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। अर्चना ने बताया कि वे चार भाई-बहन हैं। विजय सबसे छोटा है। उनके पिता प्राइवेट क्लिनिक चलाते थे, लेकिन 2015 के बाद उन्होंने प्रैक्टिस बंद कर दी थी।

पिता की मौत के बाद भी उसी कमरे में रहा बेटा

डॉ. प्रेम प्रकाश पहले प्राइवेट क्लिनिक चलाते थे। उनके साथ बेटा विजय भी रहता था। वह एल्मको में नौकरी करता था, लेकिन कुछ साल पहले नौकरी छूट गई थी। इसके बाद से वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। परिजनों के मुताबिक, विजय की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पिता ही उसकी देखभाल करते और खाना बनाकर खिलाते थे। पिता की मौत के बाद भी वह उनके साथ उसी कमरे में रहा। उसे पिता की मौत का पता क्यों नहीं चला, यह स्पष्ट नहीं है।

अर्चना ने बताया कि पिता ही भाई को खाना बनाकर भाई को खिलाते थे। फ्लैट पहुंचीं तो पिता के शव के पास खाना रखा था। किचन में गंदे बर्तन और खाना पड़ा था, जो सड़ने लगा था। कमरे में तेज दुर्गंध थी। इससे अंदाजा हुआ कि शव कई दिनों से पड़ा था।

महर्षि भारद्वाज आश्रम और श्रृंगवेरपुरधाम में बनाया जायेगा दीप स्तम्भ : केशव प्रसाद मौर्य

लाखों दीपो के प्रज्ज्वलन से जगमग हुई संगम नगरी भारद्वाज आश्रम

वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित होते हुए मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी को बधाई दी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लोक संस्कृति, कला, साहित्य, परम्पराओं तथा स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं जनसामान्य को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को महर्षि भारद्वाज आश्रम, श्रृंगवेरपुर धाम प्रयागराज में भव्य रूप दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्य-मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। महर्षि भारद्वाज आश्रम, श्रृंगवेरपुर धाम के अलावा अन्य घाटों पर भी भव्य रूप से दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्कृति विभाग के द्वारा श्रृंगवेरधाम में रामचरित मानस पर आधारित चित्र पाण्डुलिपि प्रदर्शनी भी लगायी गयी थी। साथ ही लोक कलाकारों के द्वारा दोनो स्थलों पर रामकथा पर आधारित रामायण का मंचन भी किया गया। इस अवसर पर वर्चुअल रूप से कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को भव्य एवं दिव्य रूप से आयोजित करने के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि यह दीपोत्सव कार्यक्रम प्रतिवर्ष और भव्य रूप से आयोजित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की प्रशंन्नता है कि आज महर्षि भरद्वाज आश्रम एवं श्रृंगवेरपुर-धाम में भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में सांस्कृतिक धरोहर की नई परम्परा की शुरूआत हुई है। कहा कि कोई भी तीर्थयात्री श्रृंगवेरपुर आयें, तो वह प्रयागराज जरूर आयें और यदि प्रयागराज आयें, तो ऋंगवेरपुर जरूर जाये, इसके लिए उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को इस सम्बंध में माननीय जनप्रतिनिधिगणों से समन्वय बनाते हुए कार्ययोजना बनाये जाने के लिए कहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि भारद्वाज आश्रम और श्रृंगवे-रपुरधाम में दीप स्तम्भ बनाया जायेगा, इसके लिए उन्होंने सम्बंधित को आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया।

15-साल के बेटे ने पिता को मार डाला

बहन से झगड़े पर डांटा-पीटा था, सोते समय धारदार हथियार से किया हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

सूचना मिलने पर लोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में 15 वर्षीय बेटे शाहवेज को हिरासत में लिया है। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। थाना इंचार्ज योगिंद्र सिंह ने बताया- मामले में आरोपी की बड़ी बहन चांदनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। शुरुआती जांच में पिता की डांट और पिटाई से नाराज होकर बेटे द्वारा हत्या किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

लोनी। गाजियाबाद के लोनी में 15 साल के बेटे ने अपने पिता की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। घटना शनिवार देर रात लोनी थाना क्षेत्र की आशियाना सिटी स्थित बुध बाजार की है। मृतक की पहचान 58 वर्षीय इरफान अहमद के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी नाबालिग बेटे को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, घटना से पहले घर में बेटे का अपनी बहन से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इस पर पिता इरफान अहमद ने उसे डांटा और पिटाई भी की। बताया जा रहा है कि इससे नाराज होकर बेटे ने देर रात करीब 3:15 बजे घर में सो रहे पिता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में इरफान गंभीर रूप से घायल हो गए। इरफान अहमद फेरी लगाने का काम करते थे। परिवार में उनकी पत्नी और सात बेटियां हैं। इनमें से पांच बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि दो अविवाहित हैं। घटना से पहले घर में बेटे का अपनी एक बहन से किसी बात को लेकर झगड़ा हो रहा था। इस पर इरफान ने उसे पहले डांटा और फिर पिटाई कर दी। इसी बात से बेटा नाराज था।

माता-पिता और बहन के साथ कमरे में सो रहे थे इरफान

शनिवार देर रात इरफान अपनी पत्नी और एक बेटी के साथ कमरे में सो रहे थे। परिवार की दूसरी बेटी अलग कमरे में सोई हुई थी। इसी दौरान बेटे ने चाकू से सो रहे पिता के माथे पर वार कर दिया। हमले में इरफान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने आरोपी बेटे को रोक लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पड़ोसी ने रात करीब 3:30 बजे डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। परिजन घायल इरफान को आनन-फानन में लोनी के 50 बेड वाले अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर लोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है।

वारदात : शव हाईवे किनारे मिला, मां बोली- दिवाली की शॉपिंग करने गई थी, बॉयफ्रेंड ने मारा

26 साल की बॉक्सिंग प्लेयर की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में कानपुर-प्रया-गराज नेशनल हाईवे के किनारे शुक्रवार सुबह मिले युवती के खून से लथपथ शव की पहचान हो गई है। मृतका की पहचान उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र स्थित इखलाक नगर निवासी महिला बॉक्सर मंतशा कुमारी (26) के रूप में हुई है। वह जाजमऊ स्थित एक जिम में ट्रेनर के तौर पर काम करती थीं। शनिवार दोपहर उनके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने शव की पहचान की। बेटी का शव देखते ही मां संजना और पिता प्रेम कुमार बदहवास हो गए। परिवार में चीख-पुकार मच गई। मंतशा की मां ने बताया कि उनकी बेटी दीपावली की खरीदारी करने के लिए घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटी। परिवार के लोगों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। अब उसका शव मिलने के बाद मां ने बेटी की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मंतशा के बॉयफ्रेंड पर भी हत्या में शामिल होने का शक जताया है। पुलिस परिजनों के आरोपों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर महाराजपुर थाना क्षेत्र के महोली कोल्ड स्टोरेज मोड़ के पास एक युवती का शव पड़ा मिला था। शव खून से लथपथ था। सड़क किनारे युवती का शव मिलने की जानकारी से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने का प्रयास शुरू किया। शुरुआती दौर में मृतका की पहचान नहीं हो सकी थी। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और पहचान से जुड़े प्रयास जारी रखे।

मंतशा की मां संजना ने बताया- गुरुवार शाम करीब 5 बजे बेटी दीपावली की खरीदारी करने कानपुर चकेरी लालबंगला बाजार गई थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। शाम करीब 7 बजे से ही उसका मोबाइल फोन बंद हो गया था। बेटी के लापता होने और फोन स्विच ऑफ होने पर शनिवार को गंगाघाट थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। कानपुर में एक लड़की का शव मिलने के बाद गंगाघाट पुलिस ने घरवालों को यह बात बताई। इसके बाद परिवारवाले अस्पताल पहुंचे।

पिता बोले- बेटी को मारकर शव करके फेंका गया, दोस्त पर शक

पिता प्रेम कुमार ने बताया- मंतशा दो बहनों और एक भाई में सबसे छोटी थी। बड़ी बहन खुशबू की शादी हो चुकी है। बेटा दीपक और मंतशा घर पर रहते थे। मंतशा ने 12वीं पास करने के बाद पिता के साथ बॉक्सिंग सीखना शुरू किया था। पिता पहले स्पोर्ट्स लाइन में बच्चों को बॉक्सिंग सिखाते थे। वह खुद भी गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

संत बोले, मुख्यमंत्री योगी के कारण सुरक्षित हैं हिंदू धर्म और संस्कृति

मुख्यमंत्री योगी ने किया संतों का सम्मान, भेंट किए मिष्ठान और उपहार

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्य : अयोध्या दीपोत्सव 2026 के अवसर पर राम कथा पार्क में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों का सम्मान किया। उन्होंने संतों को मिष्ठान, दक्षिणा और उपहार भेंट किए। इस अवसर पर संतों ने अयोध्या के विकास, धर्म-संस्कृति के संरक्षण और दीपोत्सव को नया स्वरूप देने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की। सुग्रीव किला अयोध्या के महंत स्वामी विश्ववेश प्रपन्नाचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कारण हिंदू धर्म, संस्कृति और हिंदू समाज सुरक्षित हैं। वहीं, हरिधाम पीठ गोपाल मंदिर के महंत जगद्गुरु राम दिनेशाचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से आज देश-विदेश में अयोध्या का नाम हो रहा है। उदासीन आश्रम के श्रीमहंत डॉ. स्वामी भरत लाल ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दीपोत्सव को नया आकार दिया है। वैदेही वल्लभ पुंज बावन जी मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण ने कहा कि मुख्यमंत्री पर रामलला की विशेष कृपा है। उन्होंने कहा कि वे सिंधु हैं और उनके बारे में जो बोला जाए वह बिंदु है। वासुदेव घाट स्थित पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास ने कहा कि अयोध्या में आज जो बदलाव दिखाई दे रहे हैं, वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कारण संभव हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहले यहां बजबजाती नालियां दिखाई देती थीं। महंत ने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में भाजपा फिर जीतेगी जिससे अयोध्या का और अधिक विकास होगा।

दिवाली पर शाम 7 बजे तक ही चलेगी मेट्रो

आगरा में 3 घंटे पहले बंद होंगी, सुबह 6 बजे से शुरू होगा संचालन

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। दीपावली के त्योहार पर आगरा मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। 8 नवंबर को दीपावली के दिन मेट्रो के संचालन समय में बदलाव किया गया है। इस दिन आगरा मेट्रो सामान्य दिनों की तरह रात 10 बजे तक नहीं चलेगी, बल्कि शाम 7 बजे ही सेवा बंद कर दी जाएगी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने त्योहार को देखते हुए यह निर्णय लिया है। ऐसे में दीपावली के दिन मेट्रो से यात्रा करने की योजना बना रहे लोगों को बदली हुई समय सारिणी के अनुसार अपना सफर तय करना होगा। यूपीएमआरसी की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, दीपावली के दिन आगरा मेट्रो का संचालन सुबह 6 बजे से शुरू होगा। ताज ईस्ट गेट और मनकामेश्वर, दोनों टर्मिनल स्टेशनों से पहली ट्रेन सुबह 6 बजे रवाना की जाएगी।

66 आमतौर पर आगरा मेट्रो का संचालन प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शुरू होता है। दीपावली के दिन भी इस शुरुआती समय को बरकरार रखा गया है। यानी जो लोग सुबह के समय अपने जरूरी काम, खरीदारी या अन्य यात्रा के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करना चाहते हैं, उन्हें निर्धारित समय पर सेवा उपलब्ध रहेगी।

त्योहार को देखते हुए बदला गया संचालन समय

दीपावली पर शहर में त्योहार की तैयारियों, पूजा-पाठ और अन्य गतिविधियों के चलते मेट्रो के संचालन समय में बदलाव किया गया है। यूपीएमआरसी ने इस संबंध में यात्रियों को पहले से जानकारी दी है, ताकि उन्हें स्टेशन पहुंचने के बाद ट्रेन नहीं मिलने जैसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

शाम 7 बजे दोनों स्टेशनों से चलेगी आखिरी ट्रेन

दीपावली के दिन मेट्रो के संचालन में सबसे बड़ा बदलाव शाम के समय किया गया है। ताज ईस्ट गेट और मनकामेश्वर दोनों टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी ट्रेन शाम 7 बजे रवाना होगी। इसके बाद इन स्टेशनों से यात्रियों के लिए मेट्रो सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। यूपीएमआरसी के इस निर्णय के बाद यात्रियों को शाम के समय अपनी यात्रा का विशेष ध्यान रखना होगा। खासकर उन लोगों को पहले से योजना बनानी होगी, जो शाम को किसी जरूरी काम से घर से निकलने या मेट्रो के जरिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं। यदि कोई यात्री सामान्य दिनों की तरह रात 8 या 9 बजे मेट्रो पकड़ने की योजना बना रहा है तो उसे दीपावली के दिन अपनी योजना बदलनी होगी।

सामान्य दिनों में रात 10 बजे तक होता है संचालन

आगरा में सामान्य दिनों के दौरान मेट्रो सेवा सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक संचालित की जाती है। इस दौरान यात्रियों को सुबह से लेकर देर शाम तक मेट्रो से सफर करने की सुविधा मिलती है। लेकिन दीपावली के दिन यह समय घटाकर सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक कर दिया गया है। इस तरह सामान्य दिनों की तुलना में दीपावली पर मेट्रो का संचालन तीन घंटे पहले बंद हो जाएगा। रोजाना रात के समय मेट्रो से यात्रा करने वाले लोगों को इस बदलाव का विशेष ध्यान रखना होगा। त्योहार के दिन शाम 7 बजे के बाद मेट्रो सेवा उपलब्ध नहीं होगी।

37 लाख के नाले को नाली बनाने का आरोप

सहारनपुर के वार्ड 7 में निर्माण की जांच की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर के नगर निगम वार्ड 7 में बुड्ढी माई चौक से मिगलानी बिल्डिंग तक 37 लाख रुपये की लागत से नाला बनाया जा रहा है। यंग तिरंगा क्लब ने आरोप लगाया कि नाले को नाली का रूप दिया जा रहा है और निर्माण की गुणवत्ता ठीक नहीं है। संस्था ने जांच की मांग की है। क्लब के कोषाध्यक्ष जावेद मलिक ने कहा कि कागजों में नाला बड़ा दिखाया गया है, जबकि मौके पर इसे छोटी नाली में बदला जा रहा है। संस्था के लोगों ने ठेकेदार पर मनमाने तरीके से काम कराने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि नगर निगम के अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और पार्षद भी चुप हैं। जावेद मलिक ने कहा कि बरसात में ज्यादा पानी आने पर नाली पानी का दबाव नहीं झेल पाएगी और मोहल्ले में पानी भर सकता है। क्षेत्रवासियों ने निर्माण की गुणवत्ता की

जांच कराने और दोषी ठेकेदार व अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान उस्मान मलिक, जावेद मलिक, अविनाश शर्मा, आयुष गर्ग, मनीष ग्रोवर और कमल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

1000 रुपए में खरीदिए सोने का एक पेड़ा

आगरा। दिवाली के त्योहार पर मिठाई बाजार में इस बार नए और खास स्वाद की मांग बढ़ी है। आगरा के शाह मार्केट स्थित बृज रसायनम मिष्ठान भंडार में 1000 रुपए का सोने की परत वाला पेड़ा तैयार किया गया है। इसके अलावा चाबी से खुलने वाले नट्स और 5100 रुपए तक के गिफ्ट हैम्पर भी बाजार में पसंद किए जा रहे हैं। मिठाई की दुकानों पर पारंपरिक स्वाद का आकर्षण भी बना हुआ है।

गोरखपुर में रवि किशन का अखिलेश पर तंज

गोरखपुर। गोरखपुर में सांसद रवि किशन ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल जी का एक रॉकेट है, जो अनगिनत बार लॉन्च हो चुका है। जहां तक उन्हें जानकारी है, यह 99वीं बार लॉन्च हुआ है। आखिरी बार रामलीला मैदान में लॉन्च हुआ था। चीन के रॉकेट की तरह यह भी फुस्स हो रहा है। वहीं, अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सपना देखना अच्छी बात है, लेकिन उनका 2027 में मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा नहीं होगा।

गोरखपुर जेल में गैंगस्टर दे रही ब्यूटीशियन की ट्रेनिंग

गोरखपुर। गोरखपुर जिला जेल में बंद 12 करोड़ की ठगी की आरोपी गरिमा सिंह बच्चों को पढ़ा रही है। वहीं, गैंगस्टर की आरोपी अंशिका सिंह ब्यूटीशियन की ट्रेनिंग दे रही है। शिक्षक सुसाइड केस में बंद पूर्व BSA शालिनी श्रीवास्तव दूसरी महिला बंदियों को करियर संवारने के टिप्स दे रही हैं। तीनों महिलाएं अपने हुनर से जेल में बंद महिलाओं की मदद कर रही हैं।

पुलिस जांच में भूमिका संदिग्ध, बिल्डर से मांगी 50 लाख की रंगदारी

शुगर मिल के जीएम से मिला माफिया उधम सिंह

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात अपराधी उधम सिंह की गतिविधियों को लेकर मेरठ में पुलिस की जांच तेज हो गई है। किनौनी शुगर मिल के महाप्रबंधक (जीएम) केपी सिंह तेवतिया के केबिन तक उधम सिंह के पहुंचने के प्रमाण मिलने के बाद पुलिस अब जीएम की भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस को शक है कि जीएम की सहमति या शह पर ही उधम सिंह शुगर मिल पहुंचा था। बताया जा रहा है कि उधम सिंह काफी देर तक जीएम के केबिन में मौजूद रहा, लेकिन इसके बावजूद जीएम ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने से इन्कार कर दिया था। मामले में सामने आए वीडियो के मुताबिक, उधम सिंह 7 अक्टूबर

को किनौनी शुगर मिल पहुंचा था और वहां जीएम केपी सिंह से मुलाकात की थी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इस मुलाकात को जांच के दायरे में लिया है।

दूसरी ओर, जीएम ने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा है कि डर के कारण उन्होंने उधम सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं कराया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर जीएम को सुरक्षा उपलब्ध कराई है। किनौनी शुगर मिल में उधम सिंह की मौजूदगी का मामला सामने आने के बाद पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वह किसके बुलावे पर मिल पहुंचा था।

बिल्डर से मांगी 50 लाख रुपये की रंगदारी

उधम सिंह के गिरोह से जुड़े एक अन्य मामले में रियल एस्टेट कंपनी एसआर डेवलपर्स के पार्टनर अंकुर शर्मा ने रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पल्लवपुरम के विवेक विहार निवासी अंकुर शर्मा के मुताबिक, उधम सिंह का शूटर इनामउल्लाह उनके निर्माण कार्य में बाधा डाल रहा था। आरोप है कि उसने काम जारी रखने के बदले 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। अंकुर शर्मा का कहना है कि इनामउल्लाह ने खुद को उधम सिंह का शूटर बताया और रकम नहीं देने पर निर्माण कार्य रुकवाने की धमकी दी। इसके बाद मामला और गंभीर हो गया। अंकुर के मुताबिक, उन्हें लगातार डराया-धमकाया जा रहा था। उन्होंने पुलिस को दी गई शिकायत में पूरी घटना का विवरण दिया है।

जिम से निकलते ही कार को घेरकर रोका

अंकुर शर्मा ने पुलिस को बताया कि 7 सितंबर 2026 को सुबह करीब नौ बजे वह मेरठ के आबूलेन स्थित पल्स जिम से निकले थे। इसके बाद उन्हें जली कोठी जाना था। इसी दौरान उन्हें जिम के बाहर खड़ी दो गाड़ियों पर शक हुआ। उन्हें लगा कि दोनों वाहन उनका पीछा कर रहे हैं। अंकुर के अनुसार, जब वह अशोक की लाट के पास पहुंचे तो दोनों गाड़ियों ने उनकी कार को आगे और पीछे से घेर लिया। इसके बाद उनकी गाड़ी को बीच सड़क पर रोक दिया गया। आरोप है कि एक वाहन से इनामउल्लाह बाहर निकला और उसने अंकुर से कहा कि उन्हें पहले भी समझाने की कोशिश की गई, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद उसने धमकी देते हुए कहा कि आज भाई साहब यानी उधम सिंह खुद उनका इलाज करने आए हैं।

अखिलेश के अयोध्या दौरे पर भाजपा का हमला

श्रीकांत शर्मा बोले- रामभक्तों पर गोली चलवाने का पहले प्रायश्चित करें

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। हिमाचल प्रदेश के भाजपा प्रभारी और मथुरा वृंदावन से विधायक श्रीकांत शर्मा ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के अयोध्या जाकर राम मंदिर दर्शन करने के प्रस्तावित कार्यक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी। श्रीकांत शर्मा ने अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'चुनावी सनातनी' करार देते हुए कहा कि ये लोग केवल चुनाव के समय ही सनातन हिंदू बनते हैं, चुनाव खत्म होते ही इनका यह रूप भी समाप्त हो जाता है। कांत शर्मा ने मथुरा में तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि अखिलेश यादव को अयोध्या जाने से पहले उन घटनाओं का प्रायश्चित करना चाहिए, जब प्रदेश

में उनकी सरकार के दौरान राम भक्तों पर गोलियां चलवाई गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौरान सरयू नदी का जल राम भक्तों के खून से लाल हो गया था और देश उस काली सच्चाई को कभी नहीं भूल सकता। भाजपा नेता श्री कांत शर्मा ने कहा कि अखिलेश यादव हो या राहुल गांधी, चुनाव नजदीक आते ही ये लोग भगवा गमछा पहनने और जैकेट के ऊपर जनेऊ धारण करने का ढोंग करते हैं। लेकिन चुनाव खत्म होते ही वे अपनी जाति और धर्म विशेष की राजनीति में वापस लौट जाते हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब जानती है और इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। यह लोग केवल वोट की राजनीति करते हैं। श्री कांत शर्मा ने इसके विपरीत भाजपा की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र पर काम करती है।

सरकार की गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग को समान रूप से मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि जनता अब पूरी तरह जागरूक हो चुकी है और उत्तर प्रदेश में विकास के दम पर तीसरी बार कमल खिल रहा है।

पुराना लिंटर गिरने से 2 मजदूर घायल

बरेली में सपोर्ट लगाने की मांग अनसुनी करने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली के किला थाना क्षेत्र के स्वालेनगर नवदिया में पुराना लिंटर तोड़ते समय गिर गया। मलबे में दबने से दो मजदूर घायल हो गए। मजदूरों का आरोप है कि उन्होंने सपोर्ट लगाने की मांग की थी, लेकिन मकान मालिक ने ध्यान नहीं दिया। राजेंद्र (45), पुत्र चेतराम और मुन्ना उर्फ हसीब (20), पुत्र रफीक शाहिद के पुराने मकान को तोड़ रहे थे। मकान पब्लिक स्कूल के पास मस्जिद के निकट है। मजदूरों के मुताबिक, लिंटर पुराना और कमजोर था। उन्होंने मकान मालिक शाहिद को इसकी जानकारी देकर पहले सपोर्ट लगवाने की सलाह दी थी। आरोप है कि उनकी बात अनसुनी कर

काम शुरू करा दिया गया। मजदूरों के मुताबिक, काम शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद लिंटर गिर गया और दोनों मलबे में दब गए। राजेंद्र के पैर में तीन जगह फ्रैक्चर हुआ है, जबकि हसीब को भी गंभीर चोटें आई हैं। राजेंद्र का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हसीब को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजेंद्र ने आरोप लगाया कि मकान मालिक ने हादसे के बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था नहीं की। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए।

कृष्णा नगर में चौराहे पर पुलिसकर्मी नजर नहीं आए, दुकानों पर खरीदारी करते दिखे लोग

गाजियाबाद ब्लास्ट के बाद मथुरा में सुरक्षा का रियल्टी चेक

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र की वसुंधरा पुलिस चौकी में हुए ब्लास्ट के बाद संवाददाता ने मथुरा में सुरक्षा व्यवस्था का रियल्टी चेक किया। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल कृष्णा नगर में पुलिस की मुस्तैदी जांची गई। यहां त्योहारों पर सबसे ज्यादा भीड़ रहती है। कई नामी कंपनियों के शोरूम भी इसी इलाके में हैं। लेकिन रियल्टी चेक के दौरान प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मी नजर नहीं आए। टीम सबसे पहले कृष्णा नगर पुलिस चौकी पहुंची। यहां कुछ पुलिसकर्मी अपने काम में व्यस्त मिले। चौकी के गेट पर फरियादी भी मौजूद थे। एक पुलिसकर्मी उनसे बातचीत कर रहा था। हालांकि,

पुलिस चौकी पर कुछ पुलिस कर्मी मौजूद नजर आए

ब्लास्ट के बाद जिस तरह की सतर्कता और मुस्तैदी दिखनी चाहिए थी, वह नजर नहीं आई।

टीम भूतेश्वर तिराहे पहुंची तो वहां भी पुलिसकर्मी नदारद मिले। यह तिराहा सुरक्षा के लिहाज से अहम है। यहां से एक रास्ता श्रीकृष्ण जन्मस्थान, दूसरा नए बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन की ओर जाता है। तीसरा रास्ता कृष्णा नगर होते हुए नेशनल हाईवे और गोवर्धन की तरफ जाता है। यहां कुछ ट्रैफिक पुलिसकर्मी पेड़ के नीचे कुर्सियों पर बैठे नजर आए।

कृष्णा नगर चौराहे पर पुलिसकर्मी नदारद

इसके बाद दोपहर करीब 12:45 बजे टीम कृष्णा नगर के प्रमुख चौराहे पर पहुंची। यहां लोगों की भीड़ थी। ट्रैफिक रुक-रुककर चल रहा था और दुकानों पर खरीदारी हो रही थी। इसके बावजूद चौराहे पर कोई पुलिसकर्मी नजर नहीं आया। केवल ट्रैफिक पुलिस के जवान यातायात संभालते दिखे। कृष्णा नगर पुलिस चौकी, प्रमुख चौराहे और भूतेश्वर तिराहे पर किए गए रियल्टी चेक में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल सामने आए। त्योहारों के दौरान भारी भीड़ वाले इस इलाके में प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों की गैरमौजूदगी चिंता बढ़ाने वाली है। गाजियाबाद की घटना के बाद मथुरा में भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जरूरत दिखाई देती है।

पृष्ठ 01 का शेष...

30 लाख दीयों से ...

स्वयंसेवक दीऐ जलाने में लगे हुए हैं। दीपोत्सव की भव्यता अब नजर आने लगी है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें सीएम योगी पर पूरा भरोसा है कि उत्तर प्रदेश सभी राज्यों का नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि योगी असंभव को संभव बना देते हैं। इसके लिए उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं। उपराष्ट्रपति ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। हम सभी मिलकर भारत को महाशक्ति बनाने में कामयाब होंगे। अंत में उन्होंने 'जय श्रीराम' और 'जय हिंद' के नारे के साथ अपना संबोधन समाप्त किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हिंदू धर्म में सभी को समान माना जाता है। महर्षि वाल्मीकि भी एक सामान्य परिवार से आते थे, लेकिन उन्होंने रामायण की रचना की। उपराष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले जब वह यूपी आते थे तो खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते थे, लेकिन अब प्रदेश सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने काशी में हुई एक मुलाकात का किस्सा सुनाते हुए कहा कि हाल ही में उन्होंने एक व्यक्ति से पूछा कि क्या अब कोई समस्या है? इस पर उस व्यक्ति ने बताया कि अब कोई समस्या नहीं है। पहले वह छोटे-मोटे अपराध करता था, लेकिन योगी सरकार आने के बाद अब अपना व्यापार कर रहा है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि बहुत लंबे समय बाद कोई संत किसी राज्य का मुख्यमंत्री बना है। उन्होंने कहा कि वह भी बेहद सामान्य परिवार से आते हैं, इसके बावजूद देश के उपराष्ट्रपति बने। यह सब कैसे संभव हुआ, यह भारत की व्यवस्था और परंपरा को दर्शाता है। राम मंदिर के निर्माण के लिए अनेक कारसेवकों ने बलिदान दिया। उनके संघर्ष के बाद आज यह मंदिर बना है। यह मंदिर हिंदुओं के आत्मसम्मान का प्रतीक है। आज अयोध्या में हो रहा विकास विरासत के संरक्षण और विकास का एक अच्छा उदाहरण है। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि करीब 500 साल तक राम मंदिर रामभक्तों के लिए अधूरा सपना बना रहा। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी अपनी एक पुरानी याद भी साझा की। उपराष्ट्रपति ने कहा, ₹मुझे अच्छी तरह याद है कि जब अशोक सिंघल जी ने राम मंदिर की आधारशिला रखी थी, तब मेरी मां ने अपने सिर पर ईंट उठाई थी। उस समय मेरी मां ने कल्पना भी नहीं की होगी कि उनका बेटा एक दिन देश का उपराष्ट्रपति बनेगा। अयोध्या के घाटों पर दीए जलाने का काम शुरू हो गया है। करीब आधे घंटे बाद सीएम, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन राम की पैड़ी पहुंचेंगे। यहां दीपोत्सव के मुख्य आयोजन में शामिल होंगे। सीएम ने कहा- रामजन्मभूमि आंदोलन में संतों और रामभक्तों ने लंबा संघर्ष किया। अशोक सिंघल के मार्गदर्शन में आंदोलन आगे बढ़ा। इसमें अनेक कारसेवकों ने बलिदान दिया। एक समय ऐसा भी था, जब अयोध्या में रामभक्तों पर लाठियां और गोलियां चलाई गईं। भगवान श्रीराम का नाम लेने पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया गया। पीएम के नेतृत्व और मार्गदर्शन में अयोध्या अपनी खोई हुई गौरवशाली पहचान फिर से प्राप्त कर रही है।

पीएम मोदी ने ...

दीपावली के मौके पर शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन पहुंचकर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान भगवान की आरती की गई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री मोदी को तिलक लगाया और उन्हें उपहार भी भेंट किए। इस अवसर पर दीपावली के पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ दोनों नेताओं ने त्योहार की खुशियां साझा कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अलग-अलग अवसरों पर सेना और सुरक्षा बलों के जवानों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार मनाते रहे हैं। दीपावली पर जवानों के बीच पहुंचना उनकी एक प्रमुख परंपरा बन चुकी है। इस दौरान वह सैनिकों से बातचीत करते हैं और उनके योगदान की सराहना करते हैं। इस बार प्रधानमंत्री कहां जाकर जवानों के साथ दिवाली मनाएंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उनके आधिकारिक कार्यक्रम की जानकारी सामने आने के बाद ही स्थान का पता चल सकेगा।

सीजेपी के मार्च में ...

मुझे देश के हर हिस्से से गिरफ्तार कीजिए, लेकिन मैं फिर वापस आऊंगा और इस तिरंगे को उठाऊंगा। उन्होंने पहले ये कंट्रोल करना चाहा कि आप क्या खाते हैं, फिर आप किससे शादी कर सकते हैं और किससे प्यार कर सकते हैं। अब वो उस बिंदु पर आ गए हैं जहां वो ये कंट्रोल करना चाहते हैं कि आप किसे वोट देते हैं। देश तीन नेताओं अंबेडकर, महात्मा गांधी और नेहरू के आदर्शों पर बना था। गांधी भारत की आत्मा, अंबेडकर रीढ़ और नेहरू उसका दिमाग हैं। मोदी का कद इन तीनों नेताओं से बड़ा होने का नहीं है। भले ही आप 120 साल तक सत्ता में रहें, आप कभी इनसे बड़े नहीं बन पाएंगे। कोच्चि सिटी पुलिस की स्पेशल ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि CJP कार्यकर्ताओं ने हाल में कोच्चि सिटी पुलिस के डिप्टी कमिश्नर से मुलाकात की थी। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने कहा कि मार्च शांतिपूर्ण रहने की उम्मीद है। फिर भी किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। पिछले महीने CJP नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को नई दिल्ली में गिरफ्तार किया गया था। वे जंतर मंतर में प्रदर्शन कर रहे थे। सरकार ने जंतर मंतर को प्रदर्शन स्थल के तौर पर अधिसूचित सूची से हटा दिया था। इसके बाद वहां प्रवेश करने पर दोनों नेताओं को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली में पार्टी की ओर से घोषित तिरंगा मार्च से पहले अभिजीत दीपके को हिरासत में लिया गया था। CJP नेताओं से हाल में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने भी पूछताछ की थी। यह पूछताछ राष्ट्रीय राजधानी में हुए प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में की गई थी।

रामभक्तों पर गोली ...

ब्रजेश पाठक ने 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर चलाई गई गोलियों का जिक्र करते हुए कहा कि अखिलेश यादव को इसके लिए माफी भी मांगनी चाहिए। भाजपा की ओर से लगातार यह मुद्दा उठाया जाता रहा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवकों पर गोली चलाने की घटना को लेकर सपा को जवाब देना चाहिए। लखनऊ में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने भी अखिलेश यादव के प्रस्तावित अयोध्या दौरे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही समाजवादी पार्टी अब हर जगह जाने लगी है। अभी तक उसे न अयोध्या की याद आई और न ही पिछड़ों और दलितों की। दानिश अंसारी ने सपा की राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के करीब आने पर इस तरह के दौरे किए जा रहे हैं। भाजपा नेताओं का आरोप है कि सपा धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है। तेलंगाना के भाजपा विधायक राजा सिंह ने भी अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

वायुसेना का गजराज ...

इसे सितंबर 2009 में दोबारा शुरू किया गया, जब वायुसेना के AN-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ने यहां पहली बार लैंडिंग की थी। इसके बाद यह फिर बंद हो गया। सिंधु नदी के किनारे स्थित न्योमा, लेह से करीब 180 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यहां सर्दियों में तापमान माइनस 20 डिग्री तक गिर जाता है, जिससे एयरबेस पर विशेष रखरखाव ढांचे की जरूरत पड़ती है। इसे करीब 218 करोड़ की लागत से बनाया गया है। मुध-न्योमा नाम बेस के पास स्थित मुध गांव से लिया गया है। न्योमा लद्दाख में वायुसेना का चौथा बेस है। इनमें कारगिल एयरबेस लगभग 10,500 फीट पर स्थित है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना स्पेशल ऑपरेशन एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टरों के लिए उत्तरी लद्दाख में दौलत बेग ओल्डी में मिट्टी से बने रनवे का इस्तेमाल करती है।

बॉल टेम्परिंग की जानकारी पूरी टीम को थी : ख्वाजा

खुलासा

सिर्फ स्मिथ-वॉर्नर-बैनक्रॉफ्ट की गलती नहीं थी, दूसरे टेस्ट में भी सैंडपेपर का इस्तेमाल हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा ने 2018 के सैंडपेपर कांड को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उनका दावा है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी।

ख्वाजा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए इंटरव्यू में कहा- 'इसमें बल्लेबाज, गेंदबाज और सपोर्ट स्टाफ सभी शामिल थे।' उन्होंने यह भी कहा कि पोर्ट एलिजाबेथ टेस्ट में भी सैंडपेपर का इस्तेमाल किया गया था। 2018 में आरोप लगने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जांच की थी। तब टीम के बाकी खिलाड़ियों ने इसमें शामिल होने से इंकार कर दिया था। इस मामले में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को निलंबित किया गया।

फरवरी-मार्च 2018 में

स्मिथ और वार्नर को एक-एक साल का बैन लगा था।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर थी। केपटाउन में तीसरे टेस्ट मैच के दौरान बैनक्रॉफ्ट गेंद पर सैंडपेपर रगड़ते हुए पकड़े गए। वे सैंडपेपर का टुकड़ा अपनी पैंट में छिपाने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद तब के कप्तान स्टीव स्मिथ ने स्वीकार किया था कि टीम के लीडरशिप ग्रुप ने गेंद से छेड़छाड़ की योजना बनाई थी। इस मामले में कप्तान स्मिथ और उपकप्तान डेविड वॉर्नर पर 12-12 महीने का बैन लगा था। बैनक्रॉफ्ट को 9 महीने के लिए निलंबित किया गया था। इस विवाद के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने जांच की थी। ख्वाजा ने दावा किया कि जांच के दौरान बोर्ड ने उनसे कभी पूछताछ नहीं की, जबकि वे पूरे टेस्ट में बैनक्रॉफ्ट के पास बैठे थे। उन्होंने कहा- 'मैं कैमरन बैनक्रॉफ्ट के बगल में बैठा था। इसके बावजूद मेरा इंटरव्यू नहीं लिया गया। मैं फोन आने का इंतजार कर रहा था, लेकिन फोन कभी नहीं आया। इसके बाद सजा सुना दी गई। मुझे इस बात पर भरोसा नहीं हुआ।' ख्वाजा ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि बोर्ड को पता था कि वे पूरी टीम की जिम्मेदारी लेने की बात करेंगे और सच बताने के लिए तैयार थे। ख्वाजा ने हाल ही में साउथ अफ्रीका दौरे से पहले मौजूदा टेस्ट कप्तान पैट कमिंस से भी इस किताब के बारे में बात की थी। उन्होंने कमिंस को बताया था कि वे अपनी आत्मकथा में बॉल टेंपरिंग विवाद पर खुलकर लिखने वाले हैं। ख्वाजा ने माना कि उनके खुलासे से कुछ खिलाड़ियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, लेकिन उनका मानना है कि अब इस मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए।

ख्वाजा ने कहा- सबको मिलकर जिम्मेदारी लेनी चाहिए

ख्वाजा जल्द रिलीज होने वाली अपनी आत्मकथा 'सब्र' (Sabr) में भी इस विवाद पर विस्तार से लिख रहे हैं। उनका कहना है कि वे लंबे समय से चाहते थे कि इस मामले की पूरी सच्चाई सामने आए। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम में भी उन्होंने खिलाड़ियों से इसे पूरी टीम की जिम्मेदारी लेने को कहा था। उनके मुताबिक, उन्होंने कहा था कि यह टीम ने किया है और सभी को मिलकर इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

ख्वाजा का ताजा बयान

ऑस्ट्रेलिया के चार प्रमुख गेंदबाजों के पुराने बयान से अलग है। 2021 में मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन ने संयुक्त बयान जारी कर गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी होने के आरोपों को नकार दिया था।

ख्वाजा ने कहा कि वे चाहते थे कि टीम के सभी खिलाड़ी इस मामले की जिम्मेदारी लें। उन्हें उम्मीद थी कि आठ साल के भीतर कोई दूसरा खिलाड़ी खुद सामने आकर सच्चाई बताएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उन्होंने स्मिथ, वॉर्नर और बैनक्रॉफ्ट का समर्थन करते हुए कहा कि तीनों को इस विवाद के बाद लंबे समय तक इसके परिणाम भुगतने पड़े हैं।

पीएम मोदी से मिले क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव

दिल्ली में परिवार के साथ मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। शुक्रवार को वे पत्नी देविशा, बेटी रिद्धिमा और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ दिल्ली पहुंचे।

इस मुलाकात में सूर्या ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत का गोल्ड मेडल पहना हुआ था। प्रधानमंत्री ने मेडल को हाथ में लेकर भी देखा। मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किए।

प्रधानमंत्री ने सूर्या के परिवार की एक बच्ची से भजन सुना। इसके बाद उन्होंने पोस्ट में लिखा, दीपावली के माहौल में राम और सरयू का आगमन हुआ है। इससे दीपावली का वातावरण और भी पावन एवं दिव्य हो गया है। राम और सरयू सूर्यकुमार की साली दीक्षा के बच्चे हैं।

पीएम बोले- दीपावली के माहौल में सरयू और राम आए

सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने मार्च 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। इस जीत के साथ भारत लगातार दो बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बना। इससे पहले उन्होंने 2025 में हुए टी-20 एशिया कप में भी भारतीय टीम को चैंपियन बनाया था।

सूर्यकुमार ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी पहली बार कप्तान बने

सैयद मुश्ताक अली में बिहार की कैप्टेंसी करेंगे, इसी टूर्नामेंट में 58 गेंदों में शतक लगाया था

नई दिल्ली, एजेंसी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी पहली बार किसी टीम के कप्तान बन गए हैं। उन्हें सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी बिहार की कप्तानी मिली है। इससे पहले वे बिहार की रणजी टीम और दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के उपकप्तान रह चुके हैं।

वैभव ने 2 दिसंबर 2025 को सैयद मुश्ताक अली में महाराष्ट्र के खिलाफ 58 बॉल पर शतक लगाया था। उन्होंने 61 बॉल पर 108 रन बनाए थे। सैयद मुश्ताक अली भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट हैं।

बिहार क्रिकेट संघ की चयन समिति ने शुक्रवार को बैठक के बाद शुरुआती दो मैचों के लिए टीम चुनी। बिहार 14 नवंबर को इंदौर में सौराष्ट्र के खिलाफ पहला मैच खेलेगा। 16 नवंबर को रेलवे से मुकाबला होगा।

वैभव हाल ही में न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टीम के साथ थे। पांच मैचों की टी-20 सीरीज में उन्हें दो मैच खेलने का मौका मिला। उन्होंने 4 और 45 रन बनाए। वेलिंगटन में खेले गए तीसरे टी-20 में वैभव ने अभिषेक शर्मा के साथ 6 ओवर में 118 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर है। ओवरऑल वैभव 44 टी-20 मैच खेल चुके हैं। इनमें से 7 मुकाबले बिहार के लिए खेले हैं। वैभव का जन्म 27 मार्च 2011 को बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर में हुआ। उन्होंने 4 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। शुरुआत में उनके पिता संजीव ने घर के पास ही अभ्यास के लिए पिच और नेट बनवाए।

वैभव को पहली बड़ी पहचान 2023 की वीनू मांकड़ ट्रॉफी से मिली। यह अंडर-19 स्तर का घरेलू टूर्नामेंट है। उन्होंने बिहार की ओर से 5 पारियों में 393 रन बनाए। इसमें हरियाणा के खिलाफ लगाया गया शतक भी शामिल था।

इसके बाद जनवरी 2024 में उन्हें बिहार की रणजी ट्रॉफी टीम में जगह मिली। मुंबई के खिलाफ डेब्यू करते समय उनकी उम्र 12 साल 284 दिन थी।

इंडिया-ए ने न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ पहले दिन 2 विकेट पर 227 रन बनाए, सुदर्शन 77 रन बनाकर नाबाद

जायसवाल का लगातार दूसरी पारी में शतक

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के लिंकन में भारत-A और न्यूजीलैंड-A के बीच खेले जा रहे तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट के पहले दिन यशस्वी जायसवाल ने शतक लगाया। उन्होंने 138 गेंदों पर 102 रन की पारी खेली। यह इस सीरीज में उनकी लगातार दूसरी सेंचुरी है। उनकी पारी की मदद से भारत-A ने शनिवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 227 रन बना लिए।

साई सुदर्शन 77 रन बनाकर नाबाद हैं। उन्होंने जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। देवदत्त पडिक्कल 15 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ध्रुव जुरेल नाबाद लौटे। बारिश के कारण दिन का खेल निर्धारित समय से पहले खत्म करना पड़ा।

साई सुदर्शन ने पूरे दिन धैर्य के साथ बल्लेबाजी की। वे 205 गेंदों

जायसवाल ने 127 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उनकी पारी में 16 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

पर 77 रन बनाकर नाबाद लौटे। न्यूजीलैंड-A के खिलाफ पहले अनऑफिशियल टेस्ट में जायसवाल ने 17 और 5 रन बनाए थे। दूसरे टेस्ट की पहली पारी में भी वे खाता नहीं खोल सके थे। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में नाबाद 155 रन बनाकर वापसी की और अब लगातार दूसरे मैच में शतक लगाया है। जायसवाल पहली बार भारतीय खिलाड़ी के तौर पर न्यूजीलैंड दौरे पर आए हैं। इस दौरे पर लगातार दो शतक लगाने से उन्होंने अपनी फॉर्म दिखाई है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला जाना है। तीसरे अनऑफिशि-

जायसवाल ने न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 155 रन बनाए थे। यह मुकाबला क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला गया था। अब तीसरे टेस्ट की पहली पारी में शतक लगाकर उन्होंने लगातार दूसरी सेंचुरी पूरी की।

यल टेस्ट में न्यूजीलैंड-A ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम की ओपनिंग जोड़ी ने इस

जायसवाल ने 127 गेंदों पर पूरी की सेंचुरी

यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड-A के गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 127 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने चौके-छक्के लगाकर रन गति बनाए रखी।

जायसवाल ने पिछली पारी में भी 155 रन की नाबाद पारी खेली थी। लगातार दो पारियों में शतक लगाकर उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले अपनी फॉर्म दिखाई है।

फैसले को चुनौती देते हुए रन बनाने जारी रखे। जायसवाल ने शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वहीं, भारतीय टीम एक विकेट के नुकसान 180 से ज्यादा रन बना चुकी है।

मनोरंजन

20 साल पहले सलमान ख़ान बनने वाले थे 'राम'

4000 करोड़ वाली नहीं, इस रामायण के मुरीद हैं भाईजान

नई दिल्ली। रणबीर कपूर की रामायणम् पार्ट 1 की चर्चा चारो ओर हो रही है। फिल्म के 4000 करोड़ के बजट से लेकर VFX पर भी लोग खूब बातें कर रहे हैं। सलमान खान ने भी रणबीर की रामायण पर खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक ऐसा राज भी खोला, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। सलमान खान ने बताया कि जब किसी ने बड़े पर्दे पर रामायण बनाने की सोची भी नहीं थी, तब वह बिग स्क्रीन पर भगवान राम बनकर आने वाले थे। इतना ही नहीं, जब उनसे ये पूछा गया कि अब तक जितनी भी रामायण आई हैं, उनकी फेवरेट कौन सी है, तो दबंग खान ने

4000 करोड़ के ऊपर किसी और की बनाई रामायण को चुना। बीते दिन मुंबई में सलमान खान की फिल्म मातृभूमि का ट्रेलर लॉन्च हुआ और इसी दौरान उन्होंने अपनी ठंडे बस्ते में गई फिल्म उस फिल्म के बारे में भी बात की, जिसमें अभिनेता राम बनने वाले थे। सलमान खान ने कहा, 20 साल पहले हम रामायण पर फिल्म बनाने वाले थे। मूवी की घोषणा के बाद, एक रात जब वो और उनके भाई कहीं से बाहर निकल रहे थे तो उस समय प्रेस ने उनकी तस्वीरें क्लिक कर ली।

'बिग बॉस 20' ने छुआ ऐतिहासिक मुकाम

नई दिल्ली। बिग बॉस हिंदी का 20वां सीजन अपने प्रीमियर के बाद से ही चर्चा में बना हुआ है। चाहे शो में सलमान खान का पैपराजी को फटकार लगाना हो, 'वीकेंड का वार' के दौरान कैमरे के सामने अपनी शर्ट उतारकर बॉडी-शेमिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग पर बात करना हो, या फिर कंटेस्टेंट काजी तौकीर के साथ किया गया वह वायरल प्रैंक हो जिसने ऑनलाइन खूब चर्चा बटोरी।

इस शो ने दर्शकों के बीच लगातार चर्चा बटोरी है, भारत में अपने 20 साल के सफर में इसने एक और माइलस्टोन हासिल कर लिया है। बिग बॉस 20 (Bigg Boss 20) ने 60 दिनों से भी कम समय में जियो हॉटस्टार (Jio Hotstar) पर 100 करोड़ घंटे का वॉच टाइम पार कर लिया है। यह इस फ्रेंचाइजी के इतिहास का सबसे तेज सीजन बन गया है जिसने यह मुकाम हासिल किया है। यह उपलब्धि ऐसे समय में मिली है जब भारत में इस फ्रेंचाइजी के आने के 20 साल पूरे हो रहे हैं। हॉटस्टार के अनुसार, इस सीजन में शो को 350 करोड़ से ज्यादा वोट मिले हैं, जो पिछले सीजन के मुकाबले 71% की बढ़ोतरी है। सीजन शुरू होने के बाद से ही, यह शो यूके, कनाडा और सिंगापुर में जियो हॉटस्टार के टॉप 5 टाइटल्स में लगातार बना हुआ है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी, सलमान-कपिल को भी धमकाने का आरोप

लॉरेंस गैंग से जुड़ा गैंगस्टर हैरी बॉक्सर अमेरिका में पकड़ाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी एजेंसी ICE ने उसे कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया है।

हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां चला रहा था। उस पर हत्या और रंगदारी समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

हैरी ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा हैरी पर सलमान खान और कपिल शर्मा समेत अन्य बॉलीवुड हस्तियों को धमकी देने का भी आरोप है।

क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने कॉल की रिकॉर्डिंग का हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो सैंपल से मिलान किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजें मेल नहीं खातीं।

इससे पहले गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया को भी अमेरिका में हिरासत में लिया गया था। ये दोनों भारत में कई आपराधिक मामलों में वांछित हैं। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर को लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम से फोन कर 5 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई थी। न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक, तुषार ने इसकी शिकायत मुंबई पुलिस से की,

हैरी बॉक्सर पर रणवीर-गुरु रंधावा को भी धमकी देने का आरोप

हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें अभिनेता रणवीर सिंह भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

इसके अलावा, पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा को भी धमकी मिलने का मामला सामने आया था। एक वायरल कथित ऑडियो में सलमान खान से नजदीकियों के चलते गुरु के दिल्ली स्थित जिम पर फायरिंग कराने का दावा किया गया था। वहीं, कॉमेडियन कपिल शर्मा का कनाडा स्थित कैफे भी फायरिंग की घटना का निशाना बन चुका है।

जिसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंपी गई।

कहा- सुकेश की पत्नी ने चैरिटी फंक्शन में बुलाया, कॉल पर हुई ठग से बात

कोर्ट की फटकार के बाद नोरा फतेही ने दी गवाही

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही शुक्रवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुईं। उन्होंने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ की वसूली मामले में सरकारी पक्ष की गवाह के तौर पर अपना बयान दर्ज कराया। कोर्ट में नोरा ने भारत आने, अपने काम और चेन्नई में सुकेश की पत्नी लीना पॉलोज से हुई मुलाकात के बारे में जानकारी दी।

मामले की सुनवाई एडिशनल सेशन जज गगनदीप सिंह की अदालत में हुई। नोरा ने बताया कि वह कनाडा की नागरिक हैं और मूल रूप से मोरक्को से ताल्लुक रखती हैं। वह भारत में टी-सीरीज म्यूजिक कंपनी के साथ काम करने के सिलसिले में जारी वर्क वीजा पर आई थीं।

नोरा ने बताया कि दिसंबर 2020 में उन्हें चेन्नई में एक चैरिटी इवेंट के लिए बुक किया गया था। इस कार्यक्रम की आयोजक लीना पॉलोज (सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी) थीं। नोरा को एक्सीड एंटरटेनमेंट नाम की एजेंसी के जरिए इस कार्यक्रम के लिए बुक किया गया था। कार्यक्रम में उन्हें चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होना था और डांस कॉम्पिटिशन को जज करना था। इस मामले की अगली सुनवाई 30 नवंबर को होगी। नोरा के अनुसार, विदेशी नागरिक होने के कारण भारत में किसी भी कार्यक्रम के लिए उनकी बुकिंग मैनेजमेंट कंपनी के जरिए होती थी और भुगतान भी कंपनी को किया जाता था। इस मामले में कोर्ट ने नोरा को पहले भी दो बार गवाही के लिए बुलाया था। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में उनके वकील ने व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने से छूट मांगी थी।

नोरा ने बताया कैसे हुई सुकेश से बातचीत

नोरा ने कोर्ट को बताया कि मुलाकात के दौरान लीना ने उनसे कहा कि उनके पति उनसे बात करना चाहते हैं और चेन्नई आने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। इसके बाद लीना ने सुकेश को फोन लगाया और स्पीकर पर सुकेश से बात कराई। सुकेश ने कॉल पर धन्यवाद दिया और कहा कि उनका परिवार नोरा का फैन है। उन्होंने भविष्य में कई और इवेंट साथ करने को कहा। नोरा के अनुसार, फोन पर बातचीत के दौरान लीना ने उन्हें एक कार गिफ्ट करने की बात कही। इसके बाद फोन पर मौजूद सुकेश ने भी उनसे कहा कि वह इस कार को गिफ्ट के तौर पर स्वीकार कर लें।

नोरा ने बताया कि जब वह चेन्नई में कार्यक्रम के लिए तैयार हो रही थीं, तभी उनकी टीम ने उन्हें बताया कि लीना पॉलोज अपने परिवार के साथ उनसे मिलना चाहती हैं। इसके बाद लीना अपने परिवार के सदस्यों, दो वीडियोग्राफर और कुछ अन्य लोगों के साथ नोरा के कमरे में पहुंचीं। उनके साथ कुछ गिफ्ट भी थे।

रामायणम् ने दूसरे ही 200 करोड़ की कमाई की पार

नई दिल्ली। रणबीर कपूर की फिल्म रामायणम् पार्ट 1 के शोज सिनेमाघरों में हाउसफुल जा रहे हैं, यहीं वजह है कि मूवी बॉक्स ऑफिस पर दो दिनों में ही गर्दा उड़ा चुकी है।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर महज दो दिनों के अंदक नितेश तिवारी की माइथोलॉजिकल फिल्म नें 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया है, तो वहीं दुनियाभर में तो मूवी ने बुलेट ट्रेन वाली रफ्तार पकड़ कर डबल सेंचुरी मार दी है। मूवी ने वर्ल्डवाइड और ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 2 दिन में कितनी कमाई की, देखें आंकड़ें। पहले दिन रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor) स्टारर फिल्म रामायणम् ने 155 करोड़ के साथ गजब की ओपनिंग लेते हुए सफलता का परचम लहराया था और अब दूसरे ही दिन नमित मल्होत्रा की 4000 करोड़ के बजट में बनी मूवी ने 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई ग्लोबल स्तक पर कर ली है। सैकनिल्क डॉट कॉम की रिपोर्ट्स

के मुताबिक, रामायणम् पार्ट 1 (Ramayana Part 1) ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर शुक्रवार को 221.05 करोड़ का आंकड़ा पार कर दिया है। हालांकि, फिल्म के वर्ल्डवाइड कमाई के फाइनल आंकड़ें दिन तक आएंगे।

रामायणम् को भारत में जितना प्यार मिल रहा है। उतना ही पसंद विदेशों में भी मूवी को किया जा रहा है। पहले दिन ओवरसीज मार्केट में 50 करोड़ से ओपनिंग लेने वाली मूवी ने दूसरे ही दिन 86.25 करोड़ तक की कमाई कर ली है। यूएस का मार्केट यश स्टारर फिल्म के लिए अच्छा साबित हुआ है। नॉर्थ अमेरिका में मूवी ने 16.8 करोड़ का कलेक्शन किया है।

ट्रम्प ने सबसे करीबी सलाहकार को निकाला

नाराजगी

सूसी वाइल्स की जगह स्टीफन मिलर को जिम्मेदारी, 2 साल में 5 महिला अधिकारी हटीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने सूसी वाइल्स को चीफ ऑफ स्टाफ पद से हटा दिया है। उनकी जगह डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वाइल्स ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ बनने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

चीफ ऑफ स्टाफ राष्ट्रपति के सबसे करीबी अधिकारियों में शामिल होता है। वह व्हाइट हाउस के कामकाज और राष्ट्रपति तक पहुंच रखने वाले अधिकारियों के बीच तालमेल बनाए रखने की जिम्मेदारी संभालता है।

वाइल्स के पद छोड़ने के साथ

ट्रम्प प्रशासन में महिला अधिकारियों की संख्या भी चर्चा में है। पिछले एक साल में कई महिला अधिकारी प्रशासन से बाहर हुई हैं। गुरुवार को न्याय विभाग की वरिष्ठ अधिकारी हरमीत ढिल्लों ने भी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मतभेद के बाद इस्तीफा दे दिया था।

इस साल ट्रम्प प्रशासन की चार महिला कैबिनेट स्तर की अधिकारी भी पद छोड़ चुकी हैं। इन सभी की जगह पुरुष अधिकारियों को नियुक्त किया गया। अब ट्रम्प प्रशासन में कैबिनेट स्तर के केवल तीन पदों पर महिलाएं हैं। इनमें कृषि मंत्री ब्रुक रोलिंस, शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन और लघु व्यवसाय प्रशासन की प्रमुख केली लोफलर शामिल हैं। स्टीफन मिलर लंबे समय से ट्रम्प के सलाहकार रहे हैं। वे अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की नीति के प्रमुख समर्थक हैं। देशभर में प्रवासियों को पकड़ने के लिए चलाए गए अभियानों में उनकी अहम भूमिका रही है।

चुनावी हार के बाद वाइल्स से नाराज थे ट्रम्प

मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रम्प वाइल्स और अपने दूसरे राजनीतिक सलाहकारों से नाराज थे। चुनाव के नतीजे आने के दौरान उन्होंने वाइल्स की आलोचना की थी। ट्रम्प को लगता था कि उनके प्रशासन से जुड़ी गोपनीय जानकारियां बाहर जा रही हैं। उन्हें यह भी शिकायत थी कि उनके राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में तेजी नहीं आ रही। ट्रम्प को शक था कि वाइल्स ही प्रशासन से जुड़ी जानकारियां बाहर पहुंचा रही हैं। इसी वजह से उन्होंने कई नियुक्तियों के फैसलों में भी वाइल्स को शामिल करना बंद कर दिया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की जगह नए अधिकारी को चुनने के फैसले में भी वाइल्स की भूमिका सीमित कर दी गई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पिछले साल व्हाइट हाउस में सूसी वाइल्स से बातचीत करते हुए।

> वाइल्स के समर्थकों का कहना है कि वह पद पर बने रहने के लिए ट्रम्प से टकराव नहीं चाहती थीं। उनके मुताबिक, चुनावी हार के लिए वाइल्स को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है, क्योंकि प्रशासन की नीतियों से जुड़े बड़े फैसले ट्रम्प खुद लेते थे। वाइल्स को 2026 की शुरुआत में स्तन कैंसर होने का पता चला था। इलाज के दौरान भी उन्होंने अपना पद नहीं छोड़ा। सितंबर में उन्होंने बताया था कि अब वह कैंसर से मुक्त हैं।

ट्रैक्टर के नीचे दबकर युवक की मौत दो भतीजों को भी चोटें आईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार सुबह खेत से पयार लादकर घर लौट रहे युवक की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से मौत हो गई। हादसे के दौरान युवक ट्रैक्टर के स्टेयरिंग और सीट के बीच फंसकर नीचे दब गया। उसके साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार दो भतीजों को हल्की चोटें आईं। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान भगवंत खेड़ा निवासी अभिषेक यादव (25) के रूप में हुई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना शनिवार शाम चार बजे शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना माल इलाके की है। भगवंत खेड़ा निवासी अभिषेक यादव शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे अपने खेत से पयार लादकर घर लौट रहे थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली पर उनके दो भतीजे देवम और नैतिक भी सवार थे। खेत से आगे निकलने के बाद अभिषेक ट्रैक्टर को ऊंची मेड़ से सड़क पर चढ़ा रहे थे। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रैक्टर पलटने से अभिषेक स्टेयरिंग के बीच फंस गए और उसके नीचे दब गए। हादसे की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह अभिषेक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे में दोनों भतीजे बाल-बाल बच गए। उन्हें हल्की खरोंचें आईं। अभिषेक खेती-किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में दो भाई अंशु और अनूप हैं। पिता का छह साल पहले ही निधन हो चुका है। अभिषेक की मौत के बाद परिवार में रोना-बिलखना मचा है।

फास्ट न्यूज

बांग्लादेश में टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती

ढाका । बांग्लादेश में कवि रवींद्रनाथ टैगोर की तस्वीर पर कालिख पोती गई। घटना आज खुलना रेलवे स्टेशन के पास हुई।

टैगोर की तस्वीर के पास कुछ पोस्टर भी लगाए गए, जिनमें लिखा था कि मुस्लिम विरोधी टैगोर की यहां कोई जगह नहीं है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब बांग्लादेश में पिछले कुछ समय से भारत के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं।

न्यूजीलैंड में सत्ता की लड़ाई बेहद करीबी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में आम चुनाव के शुरुआती नतीजों ने सरकार बनाने का मुकाबला दिलचस्प बना दिया है। प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की नेशनल पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 130 सीटों वाली संसद में 67 सीटें मिलती दिख रही हैं। बहुमत के लिए 66 सीटों की जरूरत है। यानी लक्सन का गठबंधन बहुमत से सिर्फ एक सीट आगे है। वहीं, विपक्षी लेबर पार्टी और उसके सहयोगियों को कुल 56 सीटें मिलती दिख रही हैं। ऑपरच्युनिटी पार्टी को 7 सीटें मिलने का अनुमान है। अभी 3% वोटों की गिनती बाकी है। इनमें विदेश में रहने वाले न्यूजीलैंड के नागरिकों और कुछ अन्य मतदाताओं के विशेष वोट भी शामिल हैं।

ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में भारतीयों के साथ दिवाली मनाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में दिवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने भारतीय मूल के अधिकारियों और कारोबारियों के साथ ओवल ऑफिस में दीया जलाया। उन्हें हनुमान चालीसा की एक प्रति भी भेंट की गई। इस मौके पर उनके प्रशासन में शामिल भारतीय मूल के अधिकारी, कारोबारी और बड़ी कंपनियों के CEO मौजूद रहे।

नोएल टाटा वोल्टास के चेयरमैन पद से रिटायर होंगे

उनकी जगह सुनील डिसूजा कमान संभालेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

टाटा ग्रुप की कूलिंग प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी वोल्टास के चेयरमैन और डायरेक्टर नोएल एन टाटा 11 नवंबर 2026 को रिटायर होने जा रहे हैं। 70 साल की उम्र पूरी होने के चलते टाटा ग्रुप की गाइड-लाइंस के तहत उनका यह रिटायर-मेंट हो रहा है।

नोएल के रिटायरमेंट के बाद कंपनी बोर्ड ने उन्हें 12 नवंबर 2026 से चेयरमैन एमेरिटस यानी मानद चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला किया है।

बोर्ड ने टाटा ग्रुप की FMCG कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (TCPL) के मौजूदा मैनेजिंग डायरेक्टर और CEO सुनील डिसूजा को वोल्टास का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। डिसूजा 12 नवंबर 2026 से यह जिम्मेदारी संभालेंगे। डिसूजा की लीडरशिप में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स टाटा साल्ट, टाटा टी, टेटली और टाटा सम्पन्न जैसे बड़े ब्रांड्स के तहत नमक, चाय, कॉफी, पैकेज्ड फूड और बेवरेज का कारोबार करती है।

कंपनीज एक्ट 2013 के मुताबिक कोई भी व्यक्ति 70 साल या उससे ज्यादा उम्र होने पर MD या होल-टाइम डायरेक्टर के पद पर नहीं रह सकता और न ही उसका री-अपॉइं-टमेंट होगा। 12 नवंबर 1956 को जन्मे नोएल टाटा 12 नवंबर 2026 को 70 साल के हो जाएंगे। नोएल टाटा साल 2003 से वोल्टास कंपनी से जुड़े रहे हैं। वर्तमान में वे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन भी हैं।

60% आबादी का पैसा फंसा, बैंक को फायदा पहुंचाने के आरोप में घर में नजरबंद

पराग्वे में बैंक के डूबने से राष्ट्रपति की सत्ता गई

असुनसियोन, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को शुक्रवार को सीनेट ने महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया। इसके कुछ ही देर बाद पुलिस ने उन्हें उनके घर में नजरबंद कर दिया। पेना पर देश के बड़े बैंक यूएनो को फायदा पहुंचाने और सरकारी पैसे का गलत इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं।

दरअसल, यूएनो बैंक का कामकाज बंद होने से करीब 30 लाख ग्राहकों के खाते फ्रीज हो गए। इनमें देश की करीब 60% वयस्क आबादी शामिल है। बैंक में सरकार और सरकारी पेंशन फंड के 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा जमा थे। आरोप है कि पेना ने अपने

राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके बैंक को फायदा पहुंचाया और सरकारी संस्थाओं का पैसा वहां जमा करवाने में भूमिका निभाई। राष्ट्रपति पेना का यूएनो बैंक की मूल कंपनी ग्रुपो वास्केज से कारोबारी रिश्ता रहा था। उन्होंने 2019 में इस कंपनी के करीब 10 लाख डॉलर के शेयर खरीदे थे। यह कंपनी 2022 में यूएनो होल्डिंग बनी, जो बैंक की मूल कंपनी थी। पेना ने राष्ट्रपति बनने के बाद भी ये शेयर अपने पास रखे और अप्रैल 2025 में बेच दिए।

पेना का कहना था कि उन्होंने ये शेयर सिर्फ निवेश के लिए खरीदे थे। हालांकि, सांसदों ने सवाल उठाया कि उनके बैंक से जुड़े रहने के दौरान सरकारी संस्थाओं का इतना पैसा वहां कैसे जमा हुआ।

बैंक ने मालिक से जुड़ी कंपनियों को दिया कर्ज, जांच में मिली गड़बड़ी

यूएनो कुछ ही साल में पैराग्वे का पांचवां सबसे बड़ा बैंक बन गया था। बैंक ने खाता खोलने की प्रक्रिया आसान रखी और दूसरे बैंकों के मुकाबले ज्यादा ब्याज देने का वादा किया। इससे बड़ी संख्या में लोग उससे जुड़ने लगे। लेकिन तेजी से बढ़ते कारोबार के बीच बैंक की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगी।

जांच में पता चला कि बैंक ने अपनी मूल कंपनी ग्रुपो वास्केज से जुड़ी कंपनियों को करीब 14.6 करोड़ डॉलर का कर्ज दिया था। आरोप है कि ये कर्ज तय कानूनी सीमा से ज्यादा थे और इनके बदले बैंक के पास पर्याप्त गारंटी भी नहीं थी।

जांच में बैंक के खातों में भी गड़बड़ी मिली। कुछ खर्चों को संपत्ति बताकर दर्ज किया गया था, जिससे कागजों पर बैंक की आर्थिक स्थिति असल से बेहतर दिखाई दे रही थी। जब नियामक एजेंसियों ने दोबारा हिसाब लगाया, तो बैंक की अपनी पूंजी जरूरी कानूनी सीमा के आधे से भी कम रह गई। इसके बाद पराग्वे के केंद्रीय बैंक ने 3 नवंबर को यूएनो को अपने नियंत्रण में ले लिया और उसका कामकाज रोक दिया। बैंक की सेवाएं बंद होने से डेबिट कार्ड और डिजिटल भुगतान की सुविधा भी रुक गई। दुकानदारों और कारोबारियों को लेनदेन में परेशानी होने लगी। गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्राहकों के पैसे फंसने से खुदरा कारोबार की बिक्री 80% तक गिर गई थी।

वहां के राष्ट्रपति अमेरिका में बंदी, पुलिस को बताया- ट्रम्प को मारने के ख्याल आते हैं

व्हाइट हाउस के पास वेनेजुएलाई युवक हथियारों के साथ गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास एक वेनेजुएला का युवक हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (DHS) के मुताबिक, उसके पास से तीन बंदूकें और कई कारतूस मिले हैं। DHS ने बताया कि सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने युवक को वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के बाहर एक कार में संदिग्ध हालत में देखा। पूछताछ में उसने बताया कि उसके सिर में आवाजें आती हैं, जो उसे ट्रम्प को मारने के लिए कहती हैं। दरअसल, जनवरी में अमेरिकी सैनिकों ने वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया, जहां उन्हें

डिटेंशन सेंटर में रखा गया है।

पूछताछ में क्रिनोस ने अधिकारियों को बताया कि कुछ लोगों ने उसे मारने की कोशिश की थी। उसने उनसे एक बंदूक छीन ली थी, जिसे कार में रखे भूरे रंग के बैग में रखा था। उसने यह भी बताया कि करीब एक महीने पहले उसने कुछ हथियार खरीदे थे। वह चोरी की कार में ही रह रहा था। युवक ने कहा कि वह अपने पास मौजूद हथियार सरकार को सौंपना चाहता है।

> अधिकारियों को कार से एक पिस्तौल और दो राइफल मिलीं। इनमें एआर-15 स्टाइल राइफल, मैक-10 हैंडगन और ग्लॉक 43एक्स पिस्टल शामिल हैं। इसके अलावा कई कारतूस भी बरामद हुए।

अधिकारियों को युवक की कार से तीन बंदूकें मिलीं। इनमें AR-15 स्टाइल राइफल, MAC-10 हैंडगन और ग्लॉक 43X पिस्टल शामिल हैं। इसके अलावा कारतूस भी मिले।

युवक 2024 में अवैध तरीके से अमेरिका आया था

युवक की पहचान 26 साल के रोनी योरड्रिक्स गुआनिपा क्रिनोस के रूप में हुई है। वह 2024 में अवैध तरीके से अमेरिका आया था।

सीक्रेट सर्विस के अधिकारी गुरुवार रात करीब 11:42 बजे व्हाइट हाउस के पास कॉन्स्टिट्यूशन एवेन्यू पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर सड़क किनारे खड़ी नीली फोर्ड एफ-150 पर पड़ी।

अधिकारियों ने युवक को कार में अकेले सोते हुए देखा। उन्हें मामला ठीक नहीं लगा। इसलिए वे यह पता लगाने के लिए उसके पास पहुंचे कि वह ठीक है या नहीं।

युवक अंग्रेजी नहीं बोल पा रहा था। इसलिए उसने गूगल ट्रांसलेट की मदद से अधिकारियों को बताया कि उसके पास हथियार हैं। जांच में यह भी पता चला कि कार चोरी की थी।

खैबर पख्तूनख्वा में घर की छत गिरने से चार लड़कियों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में शनिवार को घर गिरने की वजह से चार लड़कियों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार घर काफी पुराना और जर्जर हो चुका था। अधिकारी ने बताया कि उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के हंगू जिले में हुई है। इस घटना में घर गिरने से दो से 12 साल की चार लड़कियों की जिंदगियां खत्म हो गई।

अधिकारी ने घटना के बारे में बताया कि यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हंगू जिले की दोआबा तहसील के जदीद बांदा इलाके में हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद बचाव दल मौके पर पहुंचे और मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए अभियान शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि चारों लड़कियों के शव मलबे से निकाल लिए गए और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया।

वहीं, एक अन्य घटना में शनिवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित जिले के बासीन इलाके की मियां कॉलोनी में एक पुराना घर गिरने से एक महिला और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय बचाव सेवा, 'रेस्क्यू 1122' के अनुसार, घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद आपातकालीन कर्मी मौके पर पहुंच गए। 'रेस्क्यू 1122' ने बताया कि बचाव कर्मियों ने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और फिर उन्हें प्रांतीय मुख्यालय अस्पताल पहुंचा दिया। अस्पताल के डॉक्टरों ने महिला और बच्चे की मौत की पुष्टि की।

रजामंदी : अपनी जमीन पर यूक्रेन बंटवारे का फैसला नहीं चाहते, 18-19 नवंबर की मीटिंग पर अभी सस्पेंस

जिनपिंग चीन में ट्रम्प-पुतिन मुलाकात कराने से डर रहे

बीजिंग, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन चीन में एक साथ बैठक करना चाहते हैं। पुतिन ने 19 अक्टूबर को इसका प्रस्ताव रखा। उसी दिन ट्रम्प ने बैठक में शामिल होने की रजामंदी भी दे दी। दोनों ने इस बातचीत में जिनपिंग को शामिल करने का प्रस्ताव रखा है।

यह बैठक 18-19 नवंबर को चीन के शेनझेन शहर में होने वाले APEC समिट के दौरान हो सकती है। हालांकि, चीन ने अभी तक इस पर सहमति नहीं दी है, लेकिन प्रस्ताव को खारिज भी नहीं किया है। फिलहाल तीनों देशों के बीच इस बैठक को लेकर बातचीत चल रही है। जिनपिंग

ट्रम्प-पुतिन और जिनपिंग आखिरी बार 11 नवंबर 2017 को वियतनाम के दा नांग में हुए APEC सम्मेलन में एक साथ नजर आए थे।

की हिचकिचाहट की एक बड़ी वजह यूक्रेन युद्ध है। उनके सामने मुश्किल यह है कि वह एक तरफ रूस के साथ अपने रिश्ते खराब नहीं करना चाहते। दूसरी तरफ यूरोप के साथ अपने आर्थिक संबंधों को भी नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। यही वजह है कि तीनों की मुलाकात पर अब भी सस्पेंस बना हुआ है। पुतिन को अमेरिका और चीन के राष्ट्रपतियों के साथ एक ही मंच पर बैठने का मौका मिलेगा। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से दूरी बना रखी है। ऐसे में ट्रम्प और जिनपिंग के साथ बैठक पुतिन को यह दिखाने का मौका देगी कि रूस को दुनिया की बड़ी ताकतों की राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता।

80 साल बाद फिर तीन महाशक्तियां एक साथ बैठेंगी

80 साल बाद इतिहास खुद को दोहराता हुआ नजर आ रहा है। तब तीन बड़ी ताकतों ने एक मेज पर बैठकर यूरोप का भविष्य तय किया था। अब रूस एक बार फिर अपने राष्ट्रपति को अमेरिका और चीन के नेताओं को एक साथ बैठाना चाहता है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार चर्चा का केंद्र यूक्रेन युद्ध हो सकता है।

80 साल पहले तीन देशों ने मिलकर तय किया चीन का भविष्य

ट्रम्प-पुतिन और जिनपिंग के बीच बैठक से चीन खुद को अमेरिका के बराबर एक बड़ी वैश्विक ताकत के रूप में पेश कर सकता है। लेकिन उसे यह भी डर है कि कहीं यह बैठक 1945 के याल्टा समझौते जैसी स्थिति न पैदा कर दे, जिसकी चीन लंबे समय से आलोचना करता रहा है।

फरवरी 1945 में दूसरे विश्वयुद्ध के आखिरी दौर में अमेरिका, सोवियत संघ और ब्रिटेन के नेता क्रीमिया के याल्टा में मिले थे। इन नेताओं ने बैठक में तय किया कि युद्ध खत्म होने के बाद यूरोप के देशों का बंटवारा और शासन कैसे होगा। उस समय चीन भी जापान के खिलाफ युद्ध लड़ रहा था, लेकिन उसे इस बैठक में शामिल नहीं किया गया।

ई20 पेट्रोल में 31.2% तक एथेनॉल मिला

गाड़ियों का माइलेज घटा और मेंटेनेंस का खर्च बढ़ा

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक सरकार ने तेल कंपनियों पर पेट्रोल में तय लिमिट से ज्यादा एथेनॉल मिलाने का आरोप लगाया है। नियम के मुताबिक E20 पेट्रोल में 20% एथेनॉल होना चाहिए, लेकिन लैब जांच में यह 31.2% तक पाया गया।

कर्नाटक सरकार का कहना है कि इस मिलावट से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है और मेंटेनेंस का खर्च बढ़ रहा है। इसलिए केंद्र सरकार को गाड़ियों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए एक स्पेशल मुआवजा फंड बनाना चाहिए।

मामले का खुलासा तब हुआ जब राज्य सरकार ने इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, नयारा और शेल जैसी कंपनियों के पेट्रोल पंपों से 63 सैंपल जुटाए। शुरुआत में तेल कंपनियों की

अपनी लैब्स से एथेनॉल की सही मात्रा पर कोई साफ जवाब नहीं मिला, जिससे गड़बड़ी का शक हुआ। इसके बाद सरकार ने बेंगलुरु की ISO और NABL से मान्यता प्राप्त प्राइवेट लैब 'श्रीराम रिसर्च इंस्टीट्यूट' में जांच कराई, जहां पेट्रोल में ज्यादा मात्रा में एथेनॉल मिलाने की पुष्टि हुई।

लैब जांच में सामने आया कि सभी बड़ी तेल कंपनियों के पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 20% की लिमिट से काफी ज्यादा थी। बेंगलुरु अर्बन सहित 7 जिलों के सैंपलों में IOCL के पेट्रोल में सबसे ज्यादा 31.2% तक एथेनॉल मिला।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676